डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 34 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 22 सितंबर से 28 सितंबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

वक्फ कानून बरकरार, 3 सदस्य गैर-मुस्लिम हो सकेंगे, लेकिन 5 साल की शर्त खारिज

-कुछ धाराओं पर SC ने लगाई रोक

नई दिल्ली (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के कुछ प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाई है, जिसमें वक्फ बोर्ड के सदस्य बनने के लिए कम से कम पांच साल तक इस्लाम पालन की शर्त शामिल है। कोर्ट ने कहा कि जब तक इस संबंध में उचित नियम नहीं बनते, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कानून के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है। अदालत ने फिलहाल उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई थी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में उचित नियम बनने तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा। इसके अलावा, धारा 3(74) से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड के प्रावधान पर भी रोक लगाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि कार्यपालिका किसी भी व्यक्ति के अधिकार तय नहीं कर सकती। जब तक नामित अधिकारी की जांच पर अंतिम निर्णय न हो और जब तक वक्फ संपत्ति के मालिकाना हक का फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट द्वारा न हो जाए, तब तक वक्फ को उसकी संपत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्व रिकॉर्ड से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा होने तक किसी तीसरे पक्ष के अधिकार नहीं बनाए जाएंगे।

बोर्ड में अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम सदस्य ही होंगे-

वक्फ बोर्ड की संरचना पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि बोर्ड में अधिकतम तीन गैर-मुस्लिम सदस्य ही हो सकते हैं, यानी 11 में से बहुमत मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए। साथ ही, जहां तक संभव हो, बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) मुस्लिम ही होना चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका यह आदेश वक्फ एक्ट की वैधता पर अंतिम राय नहीं है। अदालत ने साफ किया कि पूरे कानून पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है, लेकिन कुछ प्रावधानों पर अंतरिम सुरक्षा दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि सामान्य तौर पर किसी कानून के पक्ष में संवैधानिक वैधता की धारणा रहती है।

पांच साल वाली शर्त खारिज-

मुख्य आपत्ति धारा 3(r), 3(c), 3(d), 7 और 8 सहित कुछ धाराओं पर थी। इनमें से धारा 3(r) के उस प्रावधान पर कोर्ट ने रोक लगा दी, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने की शर्त रखी गई थी। अदालत ने कहा कि जब तक सरकार इस पर स्पष्ट नियम नहीं बनाती, तब तक यह प्रावधान लागू नहीं होगा, वरना यह मनमाना साबित हो सकता है।

कार्यपालिका नहीं तय कर सकती संपत्ति के अधिकार-

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी कलेक्टर या कार्यपालिका को संपत्ति के अधिकार तय करने की अनुमति देना शक्तियों के पृथक्करण (separation of powers) के खिलाफ है।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक धारा 3(c) के तहत वक्फ संपत्ति के मालिकाना हक का अंतिम फैसला वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट से नहीं हो जाता, तब तक न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड से छेड़छाड़ होगी, साथ ही, इस दौरान किसी तीसरे पक्ष के अधिकार भी नहीं बनाए जाएंगे।

वक्फ कानून पर घमासान: ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का आंदोलन जारी रखने का ऐलान

-सुप्रीम कोर्ट के फैसले और सरकार के रुख से नाराज़ बोर्ड ने कहा - "जब तक विवादास्पद संशोधन वापस नहीं होते, मुहिम जारी रहेगी।"

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने वक्फ कानून में प्रस्तावित संशोधनों के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखने का एक बड़ा ऐलान किया है। बोर्ड ने साफ कर दिया है कि जब तक सरकार इस कानून से विवादास्पद संशोधनों को वापस नहीं ले लेती, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। यह फैसला बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में हुई एक ऑनलाइन बैठक में लिया गया। बैठक में बोर्ड की कार्यकारी समिति ने वक्फ कानून से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले और सरकार के रवैये पर विस्तार से चर्चा की।

क्या है पूरा मामला?-

बोर्ड के अनुसार, जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने एक विस्तृत फैसला दिया था, जिसे बोर्ड ने अंतिम और पूर्ण माना था। लेकिन बाद में इस मामले को एक बड़ी बेंच को सौंप दिया गया, जिसके अंतरिम फैसले के देश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं। बोर्ड ने इस बात पर गहरी चिंता जताई कि सरकार वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए बने कानूनों को कमजोर करने का इरादा रखती है। बोर्ड का मानना है कि वक्फ ऑफिसर के अधिकारों को छीनकर कलेक्टर जैसे सरकारी अधिकारी को देने का कदम, दरअसल वक्फ की संपत्तियों को हड़पने की दिशा में पहला कदम है।

राजनीतिक दलों की भूमिका पर भी चर्चा-

बैठक में बोर्ड ने उन सभी राजनीतिक दलों, सांसदों और गैर-मुस्लिम इंसाफपसंद बुद्धिजीवियों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुद्दे पर बोर्ड का साथ दिया है। बोर्ड ने कहा कि उनकी यह लड़ाई सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि देश में न्याय, मानवाधिकार और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने के लिए है। बोर्ड ने यह भी कहा कि वे अपने इस रुख पर पूरी तरह कायम हैं और उन्हें उम्मीद है कि न्याय की जीत होगी।

मुख्यमंत्री की जीएसटी 2.0 पर व्यापारियों से विशेष चर्चा

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक निर्णय से आमजन को मिलेंगी सस्ती वस्तु और सेवा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीएसटी स्लैब में परिवर्तन के ऐतिहासिक निर्णय से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। 22 सितंबर के सूर्योदय से वस्तु और सेवाकर सुधार पूरे देश में जब प्रभावी रूप से लागू होगा, तो इसका सबसे अधिक फायदा आमजन को मिलेगा। जीएसटी की स्लैब में बदलाव से आमजन के लिए सबसे अधिक उपयोगी रोटी, कपड़ा और मकान सस्ता होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर को विशेष रूप से व्यापारी और नागरिक जीएसटी बचत उत्सव के रूप में मनाए। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर व्यापारियों व उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों से जीएसटी रिफॉर्म पर विशेष चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी स्लैब में बदलाव का आमजन के बीच प्रचार-प्रसार किया जाए। नागरिकों को इससे होने वाली आर्थिक बचत और उसके फायदे भी बताए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक जीएसटी रिफॉर्म के साथ ही अब व्यापारी व उद्योग संगठन देश व आमजन की आवश्यकता की वस्तुएं देश मं ही निर्मित करने के काम को नई दिशा दें। साथ ही, स्वदेशी के संकल्प को साकार बनाने के लिए आमजन भी देश में निर्मित वस्तुओं को खरीदें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी स्लैब में बदलाव का फायदा गरीब, किसान, महिला, दुकानदार और व्यापारी सहित सभी वर्गों को मिलेगा। शर्मा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के ओद्यौगिक विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रही है। प्रथम वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों की सुगम स्थापना के लिए राज्य सरकार आधारभूत संरचनाओं का निरंतर विकास कर रही है।

बैठक में व्यापारियों व उद्योग संगठनों ने वस्तु एवं सेवाकर की स्लैब में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय एवं वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी के बाद भाजपा में प्रधानमंत्री का दावेदार कौन हो सकता है?

-गृहमंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वसरमा के नाम प्रधानमंत्री दावेदारों में प्रमुखता से लिए जा सकते हैं

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल में वैसे तो करीब 4 वर्ष बचे हैं लेकिन फिर भी चर्चा होती रहती है कि भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अगला प्रधानमंत्री का दावेदार कौन हो सकता है। 75 वर्ष पूरे कर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद का अभी तक भाजपा में एक भी नेता दिखाई नहीं दे रहा है जो पार्टी में सभी को स्वीकार है। भाजपा संगठन, भाजपा के पैतर्क संगठन आरएसएस के पास प्रधानमंत्री मोदी के कद का एक भी नेता नहीं दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर वर्तमान घरेलू और विदेश नीति को लेकर बड़ा दबाव है। मोदी के कार्यकाल में सबसे घनिष्ठ संबंध अमेरिका और इजराइल से बने थे। अमेरिका ने अब भारत के विरोध रुख इख्तियार कर लिया है और इजराइल 2 वर्षों से लगातार युद्धों के कारण बर्बादी के कगार पर खड़ा हुआ है। चीन, पाकिस्तान की दोस्ती है इसलिए चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। यूरोपीय देश हमेशा अपने व्यापारिक हित देखते हैं। इजरायल की दोस्ती के कारण मुस्लिम देशों की भारत से दूरी बढ़ी है। घरेलू मोर्चे पर भी काफी दबाव दिखाई दे रहा है। गिरती विकास दर, बढ़ती युवाओं में बेरोजगारी और बढ़ता भ्रष्टाचार सरकार की परेशानी बढ़ा रहा है। इसके अलावा विपक्ष के कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग को

लेकर नये-नये खुलासे करते जा रहे हैं जो भाजपानीत केंद्र सरकार की परेशानी बढ़ा रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि बदलाव की संभावना देखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी-

भाजपा में प्रधानमंत्री कौन बनेगा दो बातों पर निर्भर रहेगा। पहले भाजपा सांसदों का समर्थन और आरएसएस की इच्छा। मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के दावेदारी में तीन नाम मुख्यरूप से लिए जा सकते हैं उनमें है गृहमंत्री अमित शाह, परिवहन एवं सड़क मंत्री नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के फायर ब्रोड नेता योगी आदित्यनाथ। सबसे पहले प्रधानमंत्री पद की दावेदारी गृहमंत्री अमित शाह की बनती है। क्योंकि अमित शाह में गजब की संघठनात्मक एवं प्रशासनिक क्षमता है। भाजपा को मजबूत करने में अमित शाह का बड़ा योगदान है। गृहमंत्री अमित शाह की मजबूत पकड़ के कारण ही नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सके हैं और अभी भी कोई परेशानी नहीं है। अमित शाह आरएसएस की हिंदूत्व की इच्छा को भी पूरा करते हैं और सांसदों पर एवं सरकार में भी मजबूत पकड़ है। यदि आरएसएस थोड़ा लिबरल नेता एवं विकास की बात करने वाला नेता पसंद करती है तो नितिन गडकरी को प्रधानमंत्री बनाया जा सकता है। नितिन गडकरी की सांसदों और संगठन पर पकड़ नहीं के बराबर है। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम भी उनके चाहने वाले प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताते रहते हैं। लेकिन योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित है और मनमानी और जल्दी निर्णय करने के कारण प्रधानमंत्री पद उनसे दूर लगता है। उनमें लोग कट्टर हिंदूत्व एवं मुस्लिम विरोधी की छवि देखते हैं। हिंदू राष्ट्र जल्दी बनाने के लिए योगी आदित्यनाथ उपयुक्त नेता हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वसरमा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी भी हिंदूत्व के एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले मुख्यमंत्री हैं। दोनों ही मुस्लिम विरोधी छवि के कारण चर्चा में रहते हैं। दोनों मुख्यमंत्री बुलडोजर का प्रयोग मस्जिदों, मजारों में कई बार कर चुके हैं। इसके बाद भी कहा जा सकता है कि इनका प्रधानमंत्री बनाना इतना आसान नहीं है। दोनों ही अपने-अपने राज्यों तक सीमित है।

एक ही दिन में 35 हजार से ज्यादा टीबी रोगियों को मिला पोषण सहयोग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गांव, गरीब एवं जरूरतमंद को सरकारी योजना का भरपूर लाभ देने के उद्देश्य से आयोजित सेवा पखवाड़ा में राजस्थान निरंतर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में आयोजित 'सेवा पखवाड़ा' के तहत शनिवार को राज्यव्यापी 'निक्षय किट वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर 35,439 निक्षय पोषण किट्स टीबी रोगियों को वितरित की गईं, जिससे उनके उपचार एवं पोषण को मजबूती मिलेगी।

बांसवाड़ा में मुख्यमंत्री का अवलोकन:-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शनिवार को बांसवाड़ा में आयोजित शिविर का अवलोकन किया। शिविर में चिकित्सा विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रदर्शनी लगाई गई। इस दौरान जिले में 523 पोषण किट्स का वितरण किया गया तथा मां योजना के लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने विभागीय स्टॉल का निरीक्षण किया।

रकमा हॉस्टल लाइब्रेरी बनाएगा

-रकमा अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने अजमेर जिला कार्यकारिणी से की चर्चा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद 21 सितम्बर 2025 को अजमेर पहुंचे। अजमेर शरीफ दरगाह में ज़ियारत करने के बाद अजमेर मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। उसके बाद उन्होंने जिला अध्यक्ष मनशेर खान के साथ संगठन के बारे में चर्चा की भविष्य में होने वाले रकमा के कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा की दिनांक 28 सितंबर 2025 को जयपुर में होने वाली प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश महासमिति की मीटिंग के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। जयपुर में हॉस्टल एवं लाइब्रेरी की शुरुआत संगठन द्वारा जल्द ही की जाएगी इस बाबत 28 सितंबर की मीटिंग में विधिवत घोषणा की जाएगी। रकमा द्वारा प्रत्येक जिले में इसी प्रकार के सम्मान समारोह बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए हर महीने आयोजित किया जा रहे हैं पिछले रविवार को इसी तरह का एक सम्मान समारोह चूरू में भी आयोजित किया गया था जिसमें पूर्व मंत्री जनाब राजेंद्र राठौड़ साहब मुख्य अतिथि थे और उसमें लगभग 550 बच्चों का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में अक्टूबर माह में जालौर में भी एक बहुत बड़ा कार्यक्रम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजित किया जा रहा है जिसमें हमारा संगठन प्रतिभावान बालकों को सम्मानित करेगा। इसी कड़ी में प्रदेश स्तर पर दिसंबर माह में एक प्रदेश लेवल का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रदेश के अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिभावान बालकों को सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष अतीक अहमद के साथ जयपुर से मोहम्मद हबीब खान प्रदेश महासचिव रहमतुल्लाह, प्रदेश कोषाध्यक्ष इमरान खान, प्रदेश प्रवक्ता एवं हाजी गुलाम रसूल मंसूरी, प्रदेश सचिव मौजूद सभी ने मिलकर संगठन के बारे में अजमेर टीम के साथ विस्तृत चर्चा की और भविष्य में संगठन को मजबूत करने के लिए और हर कदम उठाने की बात कही।

स्वदेशी से सशक्त होगा भारत, जीएसटी सुधार से मिलेगी राहत

-प्रधानमंत्री मोदी का देश के नाम संबोधन- जीएसटी सुधार और स्वदेशी अभियान की गूंज

नई दिल्ली/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 सितम्बर को देशवासियों को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं और आर्थिक सुधारों

को नई दिशा देने का संकल्प जताया। अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं और इसे नए संकल्पों व सकारात्मक परिवर्तन का अवसर बताया। PM मोदी ने घोषणा की कि नवरात्री के पहले दिवस मतलब कल से पूरे देश में "जीएसटी बचत उत्सव" शुरू होगा, जिसके अंतर्गत रोज़मर्रा की कई वस्तुएँ सस्ती होंगी और आम जनता की जेब पर बोझ कम होगा। उन्होंने बताया कि 22 सितम्बर से "नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी दरें" लागू होंगी, जिसमें टैक्स ढाँचे को सरल बनाते हुए मुख्य रूप से केवल 5% और 18% स्लैब रखे गए हैं। इसे उन्होंने "डबल बोनस" बताते हुए कहा कि इससे नागरिकों को टैक्स में कटौती और आयकर छूट दोनों का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने गरीबी उन्मूलन को अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलकर नए मध्यवर्ग का हिस्सा बने हैं। उन्होंने इसे आर्थिक सुधारों और योजनाओं की सफलता का प्रमाण बताया। साथ ही, उन्होंने जनता से अपील की कि हर घर और हर दुकान को स्वदेशी का प्रतीक बनाया जाए और गर्व से कहा जाए "मैं स्वदेशी खरीदता हूँ, मैं स्वदेशी बेचता हूँ।" प्रधानमंत्री ने छोटे और मध्यम उद्योगों (MSMEs) के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सरल प्रक्रियाएँ और टैक्स लाभ देकर इन्हें और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे निवेश और उत्पादन के लिए और बेहतर माहौल तैयार करें। इस संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा, "मोदी जी हमेशा भारत की जनता के हित में सोचते हैं। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

सीएम नीतीश को लगा बड़ा झटका, जदयू के 10 वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

पटना (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव में अब कुछ ही समय बचा है। इसी बीच सीएम नीतीश को बड़ा झटका लगा है। सीएम नीतीश की पार्टी के 10 वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका साथ छोड़ दिया है। सभी नेताओं ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। मामला भागलपुर का है। जहां जदयू के मीडिया सेल में शनिवार रात कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। यह जिले में बनी

मीडिया सेल पर पहला बड़ा संकट माना जा रहा है।

कई नेताओं ने दिया इस्तीफा-

मीडिया सेल के अध्यक्ष रविश चंद्र रवि ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना इस्तीफा दिया। इसके बाद उनके द्वारा गठित कमेटी के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने भी एक-एक कर अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वाले प्रमुख पदाधिकारी में आदित्य उत्तम, कुणाल कुमार, शशि कांत शर्मा, शानू शिवांश, बालकृष्ण मोयल, रंजीत कुमार, सोनू कुमार और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं।

नेतृत्व को लेकर असंतोष-

हर इस्तीफे में स्पष्ट रूप से पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटने की बात कही गई। सूत्रों के अनुसार, संगठन में संतुलन और नेतृत्व को लेकर असंतोष प्रमुख कारण रहा। यह असंतोष पहले ही शुक्रवार को नाथनगर विधानसभा में हुई एनडीए बैठक में देखने को मिला था, जहां कुछ नेताओं ने अपने मतभेद और असहमति जाहिर की थी। **शेष पृष्ठ 2 पर....**

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
• Real Estate Sales & Marketing
• Facility Management Services
2, 3 & 4 BHK Flats
Tialk Nagar, Raja Park, Jawahar Nagar, Aadrsh Nagar, Moti Dungari Road, Fateh Teeba & Nearby Location
+91 8386 94 70 05

बाबूलाल यादव को चौमूं तहसील यादव समाज की ओर से इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के के स्थित दौलशाहा बाबा की दरगाह के कृष्ण

छात्रावास यादव समाज के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया के निर्देश अनुसार चौमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के द्वारा ग्राम पंचायत मलिकपुर के निवासी बाबूलाल यादव (गिर्राज मोटर्स) को मलिकपुर पंचायत का इकाई अध्यक्ष की मनोनीत किया। चौमूं तहसील अध्यक्ष डागर ने कहा कि हर पंचायत स्तर पर अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं जिससे हर समस्या का समाधान पंचायत स्तर पर ही किया जाएगा। इस मौके पर बाबूलाल यादव को अध्यक्ष बनते ही यादव समाज के बंधुओ ने अध्यक्ष को साफ़ा बधाकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में एडवोकेटभींवां राम खातोदिया, प्रशासक सरपंच नंचू राम, सहकारी समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, हनुमान सहाय जडवाल, बलेखन उप सरपंच शंकर लाल, मालीराम, अर्जुन, राकेश, शायर शायर, मुकेश एडवोकेट हरीश आदि लोग उपस्थित रहे।

13 मुकदमों की शराब थाना परिसर में गड्ढे में नष्ट

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना परिसर में शनिवार को न्यायालय

के आदेश पर 13 मुकदमों में जप्त अंग्रेजी ओर देशी शराब को जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदकर नष्ट किया गया। थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि 13 मुकदमों के संबंध में जप्त आवे शराब को न्यायालय ने नष्ट करने के आदेश दिए थे। इसके बाद जिला आबकारी अधिकारी जयपुर ग्रामीण अधिकारी राजेंद्र प्रसाद गर्ग के निर्देशन में आबकारी विभाग के वरिष्ठ सहायक प्रकाश चंद जाट, थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा, मालखाना इंचार्ज रमेश चंद जाटव व कांस्टेबल संदीप की मौजूदगी में थाना परिसर में गड्ढा खोदकर शराब की बोतल को तोड़कर नष्ट किया गया व गड्ढे में दबाया गया।

बालिका शिक्षा से समाज और देश प्रगति के पथ पर तेजी से बढ़ता है- वन राज्य मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर जिले के प्रताप ऑडिटोरियम में विप्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं काउंसलिंग सत्र का शुभारम्भ कर 350 विप्र प्रतिभाओं को सम्मानित किया। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं और युवाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बालिका शिक्षा से समाज और देश तेजी से प्रगति करता है, अतः बेटियों को बेटों के समान शिक्षा व अवसर प्रदान किये जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार हर वर्ग को गुणवत्तापूर्वक शिक्षा मुहैया कराने हेतु कटिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम के संयोजक पीयूष पंडित ने बताया कि विप्र फाउंडेशन का उद्देश्य समाज में शिक्षा, कौशल विकास और प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है। इसी कड़ी में आज 350 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें महिलाएं, विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रें में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे शामिल रहे। सम्मान समारोह के साथ-साथ आयोजित काउंसलिंग सत्र में विशेषज्ञों ने युवाओं को करियर मार्गदर्शन दिया और सफलता के लिए सकारात्मक सोच, मेहनत तथा लक्ष्य निर्धारण की अहमियत पर प्रकाश डाला।

ग़ज़ल

क्यों तूने कुछ नहीं कहा मुझसे
ज़िन्दगी पूछती सदा मुझसे
तेरी यादों का कारवां अक्सर
रात भर करता है गिला मुझसे
तेरे होंठों पे मिरी मुस्कुराहट है
फिर भी रूठा रहा सदा मुझसे
जिसके पहलू में चैन मिलता था
अब हो गया वो दूसरा मुझसे
तेरे जाने के बाद दिल भी मेरा
पूछता रहता है पता मुझसे
दिल से बातें न कर सकी आँखें
छिप गया हर गिला गिला मुझसे
रात तन्हा कटी तो याद आई
कैसा रिश्ता था बेवफ़ा मुझसे
मैंने चाहा नहीं मगर फिर भी
छिन गया मेरा आसरा मुझसे

-फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद की जिला कार्यकारिणी की आम सभा आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सवाई माधोपुर तहसील अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद अबसार नाशरी ने जानकारी देते हुए बताया कि

सभा में मौलाना महबूब आलम को सर्वसम्मति से दूसरी बार अध्यक्ष एवं मौलाना मामून रशीद जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के सेक्रेटरी चुने गए। कोषाध्यक्ष के पद पर मौलाना गुलशेर अहमद क़ासमी को मनोनीत किया गया। इस मौके पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के उपाध्यक्ष अबसार अहमद नदवी, मौलाना निजामुद्दीन, ऑर्गनाइजर जमीयत उलेमा-ए राजस्थान, हाफ़िज़ मंज़ूर, नायब सदर जमीयत उलेमा-ए-हिंद राजस्थान के प्रतिनिधि की हैसियत से उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में शहर क़ाज़ी निसार उल्लाह मौजूद रहे। इस मौके पर जिले भर से जमीयत प्रतिनिधियों में मौलाना इमामुद्दीन, मौलाना शाबान, मुफ्ती सादिक, मलारना से हाफ़िज़ मुशीर आलम, बोलीं से मौलाना मुज़क्किर, मौलाना आज़म, मुफ्ती सुहेल, मौलाना यामीन, मौलाना इनायतुल्लाह, हाफ़िज़ नफीस, हाफ़िज़ अरशद, हाफ़िज़ मुहम्मद राशिद, मौलाना शरफुद्दीन, मौलाना अब्दुल रज़्ज़ाक़, मौलाना मुहम्मद इकराम, मौलाना अनवर धनौली आदि के साथ अन्य इस्लामी विद्वान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मौलाना मुहम्मद नौमान क़ासमी की दुआ एवं हाफ़िज़ मंज़ूर द्वारा नसीहती भाषण के साथ हुआ।

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत गोविन्दगढ़ में हुआ रक्तदान शिविर

-पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी ने की शिरकत, 438 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर भाजपा के आह्वान पर "सेवा पखवाड़ा" अभियान के

तहत भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र चौमूँ मे द लिटल किड्स स्कूल, पुराना बस स्टैंड गोविन्दगढ़ में "विशाल रक्तदान शिविर" का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया और उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर "सेवा परमो धर्म" के ध्येय को लेकर 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लेने का आह्वान किया। रक्तदान शिविर में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बड़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए 438 यूनिट रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा, पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल, कार्यकम सयोजक अर्जुन यादव, जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, दामोदर बागडा, गोविंदगढ़ प्रधान रामस्वरूप यादव, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, गोविन्दगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, गोविंदगढ़ पंचायत समिति सदस्य व कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचन्द यादव, चोमू नगर मण्डल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, बांसा मण्डल अध्यक्ष शंकर गगोरिया, कार्यक्रम सहसंयोजक हेमंत निर्मल, प्रवीण बंसल, जिला मंत्री मुकेश चोपड़ा, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, आलोक जांगिड, अरविन्द यादव, गोपाल डेनवाल समेत सेकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

RTE दाखिला विवाद: आदेश पर आदेश, दाखिला कहीं नहीं

-अब 23 और स्कूलों को अंतिम चेतावनी नोटिस- अभिभावकों का सवाल "शिक्षा विभाग कार्यवाही कब करेगा?"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा के अधिकार (RTE) के तहत चयनित गरीब बच्चों का दाखिला लगातार टलता जा रहा है। शिक्षा विभाग की ओर से बार-बार आदेश और नोटिस जारी किए जा रहे हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर अब तक किसी भी बच्चे का दाखिला सुनिश्चित नहीं हुआ। जहाँ पहले राजधानी के 21 निजी स्कूलों को अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किए गए थे, वहीं अब 23 और स्कूलों को नोटिस थमा दिए गए हैं। संयुक्त अभिभावक संघ ने तीखा सवाल उठाया है कि "जिन 21 स्कूलों को नोटिस दिए गए थे, उन्होंने अब तक दाखिले नहीं किए। विभाग ने 7 दिन की मोहलत दी थी लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी कार्यवाही नहीं हुई। उल्टा 23 और स्कूलों का नोटिस जारी कर खानापूर्ति कर दी गई है। यह अभिभावकों को झुनझुना पकड़ाने जैसा है।"

आदेशों की टाइमलाइन पर सवाल-

पहला नोटिस : 8 सितंबर 2025 को 21 स्कूलों को जारी किया गया।

दूसरा नोटिस : आदेश पर डेट 12 सितंबर लिखी है, लेकिन जारी किया गया 19 सितंबर शुक्रवार शाम को।

संघ का कहना है कि विभाग नोटिस की तारीखें और कार्रवाई में भी पारदर्शिता नहीं बरत रहा है। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट् ने कहा – "विभाग आदेश पर आदेश जारी कर रहा है लेकिन दाखिले की प्रक्रिया पूरी तरह ठप है। बच्चे पिछले 5 महीने से पढ़ाई का इंतजार कर रहे हैं। राज्य सरकार और शिक्षा विभाग बच्चों की शिक्षा के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं दिख रहे। जब स्कूल खुले हैं तो गरीब बच्चों को पढ़ाई से वंचित रखना निंदनीय है। अब केवल नोटिस से काम नहीं चलेगा, कठोर कार्रवाई करनी होगी।"

पृष्ठ एक का शेष....

सीएम नीतीश को लगा बड़ा झटका....

विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका-

जदयू जिला इकाई ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। माना जा रहा है कि मीडिया सेल में हुए ये ताबड़तोड़ इस्तीफे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पार्टी की रणनीति और संगठनात्मक स्थिति पर असर डाल सकते हैं। विश्लेषकों के अनुसार, रविश चंद्र रवि और अन्य पदाधिकारियों के इस्तीफे से भागलपुर में जदयू के भीतर राजनीतिक संतुलन चुनौतीपूर्ण स्थिति में आ गया है। फिलहाल पार्टी में संगठनात्मक सुधार और संतुलन बनाने की जरूरत है।

पृष्ठ एक का शेष....

स्वदेशी से सशक्त होगा भारत, जीएसटी सुधार.....

आज का संबोधन इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री गरीब से गरीब व्यक्ति की चिंता करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं। जीएसटी सुधार, स्वदेशी पर जोर और 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना – यह सब मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व का नतीजा है।" राठौड़ ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव की ओर भी इशारा करता है। "स्वदेशी का आह्वान आत्मनिर्भर भारत की नींव है। जब हर घर और हर दुकान स्वदेशी बनेगी, तब देश के करोड़ों युवाओं और उद्यमियों के लिए रोजगार और नए अवसर पैदा होंगे। खासकर राजस्थान जैसे राज्य में, जहाँ हस्तशिल्प, MSME और कृषि आधारित उद्योग बड़ी भूमिका निभाते हैं, प्रधानमंत्री का यह निर्णय किसानों, व्यापारियों और युवाओं को सीधा लाभ पहुँचाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में जिस तरह गरीबों और मध्यम वर्ग को सशक्त किया है, वह आज़ादी के बाद का सबसे बड़ा सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन है। "राजस्थान के गाँव-गाँव में प्रधानमंत्री की योजनाओं का असर साफ दिखाई देता है। गरीब परिवारों को आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से सीधा लाभ मिला है। अब जीएसटी सुधार और स्वदेशी अभियान से हमारे व्यापारी और उद्योगपति भी सशक्त होंगे। मोदी जी का विज़न केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, यह गाँव-गाँव और हर वर्ग तक पहुँचा है।"

कलाम रत्न को लेकर वतन फाउंडेशन की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वतन फाउंडेशन की कार्यकारिणी की बैठक कलाम वाटिका में वतन

फाउंडेशन के संरक्षक राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलाम रत्न अवॉर्ड को लेकर चर्चा की गई। कलाम रत्न अवार्ड के लिए राजकीय विद्यालय के कक्षा दसवीं और बारहवीं के टॉपर बालकों को सम्मानित किया जाना है इसके लिए सुनीता मधुकर को जिम्मेदारी सौपी गई है। सामाजिक क्षेत्र एवं राजकीय क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रेष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए सदस्यों से नाम सुझाए गए और इन पर मंथन चिंतन करने के लिए एक पांच सदस्यीय कार्य समिति का गठन किया गया। कलाम रत्न अवार्ड के भव्य आयोजन को लेकर विभिन्न प्रकार की समितियां के गठन को लेकर चर्चा की गई और समितियां का गठन कर उनके सदस्य को दायित्व सौंपे गए। इस अवसर पर वतन फाउंडेशन के संरक्षक राजेश शर्मा, वतन फाउंडेशन प्रमुख हुसैन आर्मी, रूमा नाज, सुनीता मधुकर, सुनीता गोमे, बबीता देवी, मंजू गंगवाल, सुमन जैन, मौइन खान पत्रकार, मुकेश जैन, कैलाश सिसोदिया, मजीद खान, अशोक भाई मौजूद रहे।

शोकाकुल परिवार से मिले पूर्व सांसद सुमेधानंद, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा

-भाजपा परिवार ने दी 1 लाख की आर्थिक सहायता व नौकरी का भरोसा

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। कालाडेरा-चौमूँ मार्ग पर हाल ही में हुए भीषण सड़क हादसे में हस्तेड़ा निवासी सगे भाई रामेश्वरलाल कुमावत एवं

लालचंद कुमावत की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस गहन सदमे को सहन न कर पाने के कारण उनके पिता दुर्गालाल कुमावत का भी निधन हो गया था। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। रविवार को शोकाकुल परिवार से मिलने पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा तथा भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत पहुंचे और परिजनों को ढाँढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस दौरान भाजपा परिवार की ओर से प्रभावित परिवार को ₹1 लाख की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई तथा परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने का भरोसा दिलाया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा संगठन परिवार के साथ खड़ा है और हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष कालाडेरा मंडल अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष चौमू गजानंद कुमावत, महामंत्री रिशपाल कुमावत सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

भामाशाह ने बांटे विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं स्वेटर

-कृष्ण भोग में खिलाया देसी घी के लड्डू एवं अन्य व्यंजन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम लोचूकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार

को भामाशाह हनुमान सहाय यादव ने विद्यार्थियों को पुस्तक रखने के लिए स्कूल बैग एवं सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर वितरित किए गए। इस मौके पर विद्यार्थियों को भामाशाह ने कृष्ण भोग के तहत देसीघी के लड् सहित अन्य व्यंजन भी खिलाएं। विद्यालय प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि परमानंद धाम में खोरी के संत हरिओम दास जी महाराज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को चाय पानी एवं बाजार के पैकिंग युक्त चटपटे सामान से बचना चाहिए। नाश्ते में सूखे मेवे का इस्तेमाल करने के साथ लक्ष्य निर्धारित करके मेहनत करने से सफलता प्राप्त करने की बात कही। इस मौके पर भामाशाह ने सभी विद्यार्थियों को स्वेटर और बैग बांटे साथ ही 2100 रुपए की नकद राशि भी प्रदान की। उन्होंने चालू शिक्षण सत्र 2025- 26 में बोर्ड परीक्षाओं 10वीं एवं 12वीं में 95% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों के लिए स्कूटी प्रदान करने की घोषणा भी की। कृष्ण भोग सहित अन्य सामग्री देने पर प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा ने भामाशाह हनुमान सहाय यादव उनके सुपुत्र राकेश कुमार ,राजेश कुमार का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महेश चंद्र शर्मा, रामकुमार फौजी, बिशनगढ़ निवासी हनुमान शाह यादव, रमेश, विनोद, गणपत, लक्ष्मी नारायण सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। मंच संचालन व्याख्याता रोहिताश्व डूडी ने किया।

मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने में लगे सांगानेर के आला अधिकारी

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधान सभा सांगानेर में अधिकारियों की लापरवाही बनी विकास में बाधा। नगर निगम सांगानेर में लापरवाह अधिकारियों की मिली भगत से जनता हो रही है परेशान। मृत्यु सर्टिफिकेट,मेरिज सर्टिफिकेट के रजिस्ट्रेशन में लग रहे हैं कई दिन। सेटिंग से काम हो रहे हैं आसान। अवेद निर्माणों का चल रहा है जोरदार अभियान। सांगानेर मेन मार्केट कई वर्षों से पार्किंग के अभाव में जाम की समस्या झेलता आ रहा है। लेकिन इसका कोई स्थाई नहीं मिल पा रहा है समाधान। 20 साल के भाजपा शासन में निकलकर नहीं आया है कोई परिणाम। जबकि इस बार सांगानेर की किस्मत ने पलटी मारी और हमारे विधायक भजनलाल शर्मा राजस्थान के मुखिया के रूप में मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल रहे हैं। लेकिन अभी तक सांगानेर की जनता को विश्वास ही नहीं हो रहा है कि, सांगानेर की मेन मार्केट को जाम से निजात दिला पाएंगे। दूसरी तरफ सांगानेर तहसील के अधिकारियों की सहानुभूति के कारण नियम कायदे को ताक में रखकर रविवार को सांगानेर की जनता को सांगानेर तहसील परिसर में पार्किंग की सुविधा उपलब्ध रहती है। कोई रोक-टोक नहीं है। पहले तहसील परिसर में गार्ड तैनात रहते थे। लेकिन अब अधिकारी अपनी मनमर्जी से कानून की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। बड़े शर्म की बात है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री की विधानसभा सांगानेर के अधिकांश विभाग के अधिकारी बिना डर और भय के अपनी मनमर्जी के मालिक बन बैठे हैं। लगता है कि सांगानेर विधानसभा के भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जिसकी वजह से सांगानेर प्रशासन बेलगाम हो गया है।

मीडिया के द्वारा सांगानेर की ज्वलंत समस्याएं सीएमओ कार्यालय तक को अवगत कराई जा रही है।लेकिन लापरवाह अधिकारियों पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है। जिसके कारण मुख्यमंत्री की छवि धूमिल हो रही है। मीडिया का फर्ज है की हकीकत को राजस्थान सरकार के आला अधिकारियों के सामने रखना। जिसका तुरंत समाधान निकलना चाहिए । लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हकीकत से दूर रखा जा रहा है। उनको अंधेरे में रखकर उनकी लोकप्रियता, उनकी कड़ी मेहनत, उनके अथक प्रयास को को जाया किया जा रहा है। भजनलाल शर्मा जी हमारे मुख्यमंत्री अग्रणीय राजस्थान बनाने में रात दिन एक कर रहे हैं। राजस्थान के विकास में राजस्थान की उन्नति में हर संभव कोशिश कर रहे हैं। देश विदेश का दौरा कर राइजिंग राजस्थान की नींव पुख्ता कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान में 5 साल में बदलने वाली सरकार के इतिहास को खत्म करना चाह रहे हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि कुछ अवसरवादी नेता, चाटुकारिता वाले नेता, मुख में राम बगल में छुरी वाले नेता उनकी छवि खराब करना चाह रहे हैं। जिसके कारण जनता में अविश्वास गहराता जा रहा है। सांगानेर में उल्टी गंगा बह रही है। राजस्थान सरकार के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। सफाई कर्मचारी बाबू बने बैठे हुए हैं। इस पर अंकुश लगना बहुत जरूरी है। वरना बहुत देर हो जाएगी। मैं तीखा लिख रहा हूं। लेकिन हकीकत बयां कर रहा हूं। हम फील्ड में काम करने वाले पत्रकार हैं। जनता की नब्ज मीडिया अच्छी तरह समझती है। आइना दिखाना हमारा कर्तव्य है। उसमें आकृति बनाना आपका कर्तव्य है। जैसी आकृति बनेगी जनता वैसी ही देखेगी। इसलिए समय रहते सांगानेर नगर निगम के अधिकारियों की कार्यशैली पर शीघ्र अंकुश लगाना चाहिए। इसमें जनता की भलाई है और राजस्थान सरकार की भी।

भारत-पाक से फाइनल, सेमी फाइनल होता है तो विरोध जारी रहेगा- पठान

-माताओं और बहनों के आंसू नहीं सूखे- सरकार ने मैच करवा दिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस खेलकूद प्रकोष्ठ ने तो उसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। यह बयान 18 सितम्बर कर रहे प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पठान ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "एक तरफ हमारे वीर जवानों की शहादत के बाद माताओं और बहनों के आंसू तक नहीं सूखे हैं, और दूसरी तरफ सरकार उनके साथ मैच करवा रही है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की भावनाओं को देखते हुए इस तरह के आयोजन का कोई भी समर्थन नहीं किया जा सकता और उनका विरोध आगे भी जारी रहेगा। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। यह निर्णय लिया गया कि प्रकोष्ठ की नई कार्यकारिणी की घोषणा अक्टूबर माह में की जाएगी, जिसमें नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित क्रिकेट मैच को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। प्रकोष्ठ ने चेतावनी दी है कि यदि दोनों देशों के बीच फाइनल या सेमीफाइनल जैसा कोई भी मुकाबला होता है, 2025 को जयपुर में आयोजित कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया। बैठक में प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी के सदस्य और सभी जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता

मुस्लिम पार्षद की संख्या 30 से घटकर 5 पर आ सकती है

-जयपुर में होगा एक नगर निगम
-संयुक्त नगर निगम में होंगे 150 वार्ड

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की भाजपा सरकार ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज को मिलाकर संयुक्त रूप से पहले की तरह एक ही नगर निगम बना दिया है। कांग्रेस सरकार ने जयपुर नगर निगम को दो भागों में बाटकर दो नगर निगम बना दिए थे। कांग्रेस पार्टी को उसका फायदा भी मिला था। कांग्रेस ने जयपुर नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड बना लिया था। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में मुस्लिम एवं दलित आबादी होने के कारण कांग्रेस बीजेपी से ज्यादा पार्षद जीताने में कामयाब रही थी। जयपुर शहर को भाजपा का गढ़ माना जाता है। लेकिन धीरे-धीरे भाजपा की पकड़ जयपुर शहर में ढीली होने लगी है। जयपुर के दोनों नगर निगमो को मिलाने का उद्देश्य भी भाजपा सरकार का यही प्रतीत होता है कि लोकल सरकार भी बीजेपी जन प्रतिनिधियों के हाथ में रहे। वैसे चुनाव, चुनाव ही होता है। भाजपा को नगर निगम चुनाव में फायदा भी मिल सकता है और नुकसान भी हो सकता है। क्योंकि भाजपा का वोट बैंक ब्राह्मण, वैश्य एवं राजपूत समाज माना जाता है, जो जयपुर में बड़ी संख्या में है। दूसरी तरफ दूसरी जातियों की संख्या भी जयपुर में तेजी से बढ़ रही है। जयपुर के बाहरी क्षेत्रों में जाट, माली, दलित, मीणा भी बड़ी तादात में ग्रामीण क्षेत्रों में आकर बसे हैं। इसके अलावा दलित, मीणा और ओबीसी वर्ग की जातियों में जबरदस्त राजनीतिक जागरूकता है। ओबीसी, दलित और आदिवासी जातियों का मुकाबला श्रवण जातियों से हो सकता है। ऐसी स्थिति में दावा नहीं किया जा सकता है कि इस बार भाजपा को नगर निगम में बढ़त मिल ही जाएगी।

मुस्लिम आबादी को बड़े वार्ड बनाकर सीमित करने की कोशिश-

देश में लोकतंत्र के पुनर्गठन एवं नियम, उपनियम का फायदा उठाकर राजनीतिक फायदा उठाने की पुरानी परंपरा रही है। इसी तरह जयपुर नगर निगम पुनर्गठन में दिखाई दे रहा है। साफ तौर पर देखा जा रहा है कि दो-चार मुस्लिम बाहुल्य वार्डों को मिलाकर एक बड़ा वार्ड बनाने की कोशिश की गई है। संयुक्त नगर निगम में मुस्लिम बाहुल्य वार्डों में मतदाताओं की संख्या भी 30 हजार से ज्यादा कर दी गई है। यह इसलिए किया गया है कि मुस्लिम आबादी कुछ ही वार्डों तक सीमित रह जाए और कम से कम संख्या में मुस्लिम पार्षद जीत कर आए। निकायों के पुनर्गठन और विभाजन के सरकार के पास अधिकार होते हैं। सरकार के निर्णय को चैलेंज नहीं किया जा सकता है, लेकिन सरकार की मंशा क्या है समझा जा सकता है। ऐसा ही जयपुर नगर निगम में दिखाई दे रहा है। यहां मुस्लिम पार्षद कैसे कम से कम जीतकर आए, कोशिश की गई है।

पैगम्बर मोहम्मद साहब (सल्ल.) रहमतुलिल्ल आलमीन कॉन्फ्रेंस आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इमाम बारगाह पन्नीगरान में 17 सितम्बर 2025 को पैगम्बर मोहम्मद साहब (सल्ल.) रहमतुलिल्ल आलमीन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। यह आलमी कॉन्फ्रेंस ऑल इंडिया तक़रीब-ए-मज़ाहिब काउन्सिल की ओर से आयोजित की गई, जिसमें देशभर से उलेमा, आलिम और समाजसेवी रहनुमा एक मंच पर जुटे। कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य समाज और धर्म में एकजुटता का संदेश देना रहा। इस दौरान वक्ताओं ने मोहम्मद साहब (सल्ल) की शिक्षाओं और रहमतुलिल्ल आलमीन के उसूलों पर रोशनी डालते हुए आपसी भाईचारे, अमन और इंसानियत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कॉन्फ्रेंस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और इसे धार्मिक व सामाजिक एकता की मिसाल बताया गया।

हेरिटेज निगम के किशनपोल जोन ने पांच जर्जर भवन किए सीज

-जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों ने किया हंगामा, पुलिस और सतर्कता शाखा ने समझाइश की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हेरिटेज निगम की किशनपोल जोन ने पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज कर दिया। कारवाई के दौरान जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों को निकलने में निगम दस्ते को भारी मशक्कत करनी पड़ी। हंगामा बढ़ता देख निगम के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन का सहयोग किया और समझाइश कर सुरक्षित स्थान पर भेजा। कार्रवाई में एक जर्जर पार्षद कार्यालय भी सीज किया गया है। जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि पांच असुरक्षित भवनों में से तीन भवनों को खाली कराए जाने पर इन भवनों में रहने वाले लोगों ने विरोध किया। इस पर सतर्कता शाखा और स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया। अतिरिक्त जाब्ता मंगाकर लोगों से समझाइश की गई। भवन मालिकों ने शपथ पत्र देकर 15 दिन में जर्जर हिस्से को ध्वस्त करने और शेष भवन की मरम्मत करने का आश्वासन दिया है। निगम टीम की ओर से जर्जर भवनों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है।

इन्हें किया गया सीज-

मकान 1314, पार्षद कार्यालय के पास, अजायबघर का रास्ता, किशनपोल बाजार, 545, जय लाल मुंशी का रास्ता, चांदपोल, 551-52, जय लाल मुंशी का रास्ता, चांदपोल, 626, जय लाल मुंशी का रास्ता, चांदपोल, 749, चांदपोल बाजार।

सुभाष चौक क्षेत्र में गिरा मकान, एक महिला की मौत

-विधायक बालमुकुंदाचार्य ने 50 हजार मुआवजा देने की घोषणा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सुभाष चौक क्षेत्र में 18 सितम्बर 2025 को एक पुराना मकान गिर गया। इस हादसे में एक वृद्धा की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। प्रशासन की ओर से बालमुकुंदाचार्य ने पीड़ित परिवार को 50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने इस घोषणा पर नाराज़गी जताई और सवाल उठाया – "50 हजार से होगा क्या?" हादसे के बाद क्षेत्र में ग़मगीन माहौल है और लोग प्रशासन से ठोस मदद व कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सुभाष चौक क्षेत्र में कुछ दिन पहले भी एक मकान रात के समय गिर गया था। जिसमें तीन व्यक्तियों की मौत हो गई थी। नगर निगम प्रशासन ने फिर भी क्षेत्र के जर्जर मकानों को सील नहीं किया था। नगर निगम प्रशासन तभी सक्रिय होता है जब कोई मकान गिर जाता है और उसमें दबकर लोग घायल हो जाते हैं, या मर जाते हैं या फिर क्षेत्र में दूसरी घटना हो जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर युवाओं को दिया "नशा मुक्त भारत" के लिए संदेश

-भाजपा युवा मोर्चा की ओर से जयपुर, कोटा, अलवर, जोधपुर, उदयपुर में किया गया नमो युवा रन का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। को भाजपा युवा मोर्चा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस (21 सितम्बर) पर सेवा पखवाडा के तहत "नमो युवा रन-नशा मुक्त भारत" का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नमो युवा रन को हरि झंडी दिखाकर अमर जवान ज्योति जयपुर से रवाना किया जो कि विधानसभा, नगर निगम रोड होते हुए, टोंक रोड, रामबाग सर्किल, अंबेडकर सर्किल, पुनः अमर जवान ज्योति पर समापन किया गया । भारतीय जानता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत प्रदेश में पाँच स्थानों पर "नमो युवा रन" का आयोजन किया गया । नमो युवा रन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "नशा मुक्त भारत" के संकल्प को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ भारत का निर्माण करना है। जयपुर शहर में आयोजित नमो युवा रन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जोधपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उदयपुर में सांसद-विधायक, कोटा मंव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, अलवर में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के द्वारा नमो युवा रन को रवाना किया गया और युवा शक्ति को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व विधायक जितेन्द्र गोठवाल, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश प्रवक्ता अशोक सैनी,भाजपा नेता पंडित सुरेश मिश्रा, डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट, आरसीए एडहॉक कमेटी प्रदेश संयोजक डीडी कुमावत, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, युवा मोर्चा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरूवंशी, आशीष चौपड़ा ,कार्यक्रम के संयोजक युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नरेन्द्र पिलानिया एवं सह-संयोजक घनश्याम गौतम सहित हजारों युवाओं ने नमो युवा रन में भाग लिया।

अकील अहमद नागौरी बने कांग्रेस कामगार संगठन के जयपुर संभाग प्रभारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस पार्टी को समर्पित रहा है। उन्होंने संगठन के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए हमेशा निष्ठा और ईमानदारी के साथ कांग्रेस को मज़बूत किया है। इस अवसर पर अकील अहमद ने कहा कि वे प्रदेश में संगठन को मज़बूती प्रदान करने और राहुल गांधी सहित शीर्ष नेतृत्व के हाथों को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे।

कांग्रेस, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सूरजमल कर्दम ने प्रदेश संगठन महासचिव अकील अहमद नागौरी को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए जयपुर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया है। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। अकील अहमद का जीवन लंबे समय से

पटवारी हाथोज के दलाल को 30 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की एस.आई. यू. इकाई, जयपुर द्वारा कार्रवाई करते हुए हाथोज के पटवारी नरेंद्र मीणा, के दलाल विकास शर्मा को 30 लाख रुपये की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी एस. आई. यू चौकी जयपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी की हाथोज (कालवाड़ रोड) में स्थित 10 बीघा भूमि का नामांतरण खोलने की एवज में पटवारी नरेंद्र मीणा एवं उसके दलाल द्वारा, 50 लाख रुपये की रिश्वत की माँग कर परेशान किया जा रहा हैं। शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें पटवारी द्वारा 30 लाख रुपये की अंतिम माँग करना पाया गया। जिस पर एसीबी जयपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में एसीबी की एस. आई. यू इकाई के संदीप सारस्वत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में रविवार को ट्रैप कार्रवाई करते हुए रविवार को पटवारी के दलाल विकास शर्मा को 30 लाख रुपये की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इसमें 5 लाख रुपये वास्तविक मुद्रा तथा 25 लाख रुपये डमी नोट बरामद किए गए। पटवारी नरेंद्र मीणा ए सी बी के ट्रैप की आशंका के चलते मौके पर उपस्थित नहीं हुआ तथा फरार हो गया है। उसकी तलाश जारी है।

जामडोली इलाके में अवैध रूप से स्मैक एवं गांजा सप्लाई करने वाले दो तस्करों को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार आरोपी से उच्च क्वालिटी का 112 ग्राम गांजा किया जप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त जयपुर के निर्देशअनुसार जिला जयपुर में अवैध नशा तस्करो व बेचने वालो व नशा करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत समस्त थानाधिकारियों को दिशा निर्देश दिये गये जिस पर कार्यवाही करने हेतू अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पूर्व आशाराम चौधरी (RPS) व सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर आदित्य पूनिया (RPS) एवं सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर सुश्री लक्ष्मी सुधार (RPS) के निर्देशअनुसार व बन्ना लाल (उ.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जिला जयपुर पूर्व एंव मनोज कुमार (उ.नि.) आई सी थाना जामड़ोली एवं विश्म्भर दयाल उ.नि. आई सी थाना खोनागोरियान जिला जयपुर पूर्व के नेतृत्व में जिला विशेष टीम व पुलिस थाना जामड़ोली एवं खोनागोरियान की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों स्मैक व गांजा सप्लाई करने व बेचने वालो के विरूद्ध आंसूचना संकलन कर सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुऐ अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाले के खिलाफ पुलिस थाना जामड़ोली ईलाके में कार्यवाही करते हुये सप्लायर राजकुमार मीणा पुत्र मानसिंह मीणा जाति-मीणा उम्र-24 साल निवासी ग्राम कोंडर पुलिस थाना सदर करौली जिला करौली हाल किरायेदार बाल गार्डन के पास महेश नगर पुलिस थाना महेश नगर जयपुर को गिरफ्तार किया जाकर कब्जे से 50 ग्राम स्मैक व परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाईकिल नं. RJ14 ZK 9243 को जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना जामड़ोली में मु.न. 313/25 धारा 8/21, 8/29 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। पुलिस थाना खोनागोरियान ईलाके में दूसरी कार्यवाही करते हुऐ गांजा सप्लायर तेजराम मीणा उर्फ टी.आर. पुत्र श्रीमन मीणा उम्र 30 साल जाति-मीणा निवासी ग्राम पोस्ट नांगल लाट पुलिस थाना टोडाभीम जिला करौली को गिरफतार कर कब्जे से 112 ग्राम गांजा किया जप्त आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना खोनागोरियान में मु.नं. 550 / 25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया।

विवरण- गिरफतार आरोपी राजकुमार मीणा ने पूछताछ में बताया कि में यह स्मैक सुनील निवासी महेश नगर से लेकर आया में यह स्मैक को सन्नी सांसी निवासी जयसिंहपुरा खोर जयपुर को देने जा रहा था मुझे यह काम करते 06 माह से ज्यादा समय हो गया है। इससे पहले में 3-4 बार सन्नी सांसी को स्मैक सप्लाई कर चूका हूं मुझे सुनील 15,000 रूपये महीने सैलेरी देता है। मुझे माल सप्लाई करने के लिए सुनील जगह बताता है वहा पर में स्मैक सप्लाई कर देता हूं। आरोपी से अनुसंधान हेतू पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर पर पूछताछ जारी। व पुलिस थाना खोनागोरियान में गिरफतार आरोपी तेजराम मीणा उर्फ टी.आर. ने पूछताछ में बताया कि में यह गांजा शिलांग मेघालय से लेकर आता हूं जिसकी गांजा पीने वालो की अलग से मांग होती है। यह गांजा साधारण गांजा से तीन गुना अधिक रेट में आता है जिसको में छोटी-छोटी पूड़िया बनाकर सप्लाई करता हूं। में एक पूड़िया को 2,000 रूपये में बेचता हूं मुझे छोटी-छोटी पूड़िया बेचने में खरीद से डबल रूपये बचते है। मुझे यह काम करते काफी समय हो गया है। इससे पहले में दिल्ली में रहकर गांजा सप्लाई करता था।

ऑपरेशन गरिमा के तहत आमजन एवं महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़, छींटाकशी इत्यादि घटनाओं की प्रभावी रोकथाम हेतु पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर द्वारा 16 सितम्बर से 30 सितम्बर तक चलाये जा रहे जन जागरूकता अभियान ऑपरेशन गरिमा के विषय में पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, योगेश दाधीच के निर्देशन में अभियान के तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा करते हुये तत्पर दिखाई दे रही है। विभिन्न सार्वजनिक स्थानों यथा शैक्षणिक संस्थान, गर्ल्स हॉस्टल, पी.जी, मॉल्स, पार्क व भीडभाड वाले स्थानों पर डयूटी करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ छेड़छाड़, छींटाकशी कर अश्लील हरकत करने व कॉलेज एवं स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं का पीछा कर परेशान करने तथा छेड़छाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों / मनचलों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एवं निर्भया हैल्पलाइन नंबरों पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण करते हुए अभियान के दौरान कुल 02 मनचलों / असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही कर विभिन्न थानों में गिरफ्तार करवाया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, योगेश दाधीच के निर्देशन में अभियान के तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट विभिन्न स्कूल, कॉलेज, कॉलोनी, मौहल्ला इत्यादि में जाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर एवं बस स्टैण्ड, परिवहन संसाधन लो फ्लोर बस, सिटीबस, मिनीबस, अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट संसाधनों में यात्रा करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति व कानूनों के बारे में जानकारी देकर 22,055 महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। इसके साथ ही प्रोग्राम का सुपरविजन कर रही अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, रानू शर्मा के नेतृत्व में अभियान "ऑपरेशन गरिमा के तहत निर्भया स्क्वॉड की मास्टर ट्रेनर द्वारा विभिन्न स्कूल, कॉलेज, महाविद्यालय में जाकर 10,133 छात्र/छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण व हैल्प लाईन नम्बरों की जानकारी दी गई व 840 महिलाओं और बालिकाओं को राजकॉप सिटीजन एप (Need Help) के बारे में जानकारी देकर डाउनलोड करवाया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, रानू शर्मा ने बताया कि भीड़भाड़ वाले स्थानों में जाने वाली सभी बालिकाएं और महिलाएं अपने मोबाइल में निर्भया हेल्पलाइन के 5 नंबर 8764866090, 8764866091, 8764866092, 8764866093, 8764866094 को निर्भया 1, 2, 3, 4, 5 के नाम से अपने मोबाइल में सेव करें। किसी भी परेशानी होने पर इन नंबरों पर लिखित, मौखिक, ऑडियो, वीडियो या रिकॉर्डिंग भेजी जा सकती है। यह हेल्पलाइन 24 घंटे काम करती है।

करीब 5 करोड़ की साइबर ठगी का किया खुलासा

-आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 56 हजार नकद बरामद

जयपुर। डीसीपी साउथ की देखरेख में जयपुर पुलिस ने साइबर अपराधियों पर 17 सितम्बर 2025 को बड़ी कार्रवाई की। मानसरोवर, शिप्रापथ और श्याम नगर थाने की संयुक्त कार्रवाई में करीब 5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 लाख 56 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाकर करोड़ों रुपये हड़पे थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर हमले जारी हैं !

एक तरफ संघ प्रमुख कहते हैं कि हिंदू मन से सांप्रदायिक नहीं होता है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा की राज्य सरकारें लगातार मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर हमले कर रही है।

एक तरफ संघ प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि हिंदू मन से सांप्रदायिक नहीं होता है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के राज्य सरकारें लगातार मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर हमले कर रही है। इसमें हैरान होने वाली बात इसलिए नहीं है क्योंकि फासीवादी विचारधारा में हमेशा कथनी और करनी में अंतर होता है। भ्रम फैलाने के लिए अलग-अलग लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी जाती है। ताकि आम जनता उनके असली उद्देश्य को नहीं समझे। फासीवादी विचारधारा में एक व्यक्ति आपसी समानता और भाईचारे की बात करता रहता है। वहीं दूसरी तरफ जमीन पर वह अपने एजेंट के आधार पर काम करते रहते हैं। मुसलमानों के मामले में संघ और उससे जुड़े संगठन इसी नीति पर चलते हुए नजर आते हैं और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसमें वह सारी संवैधानिक मान्यताओं को तार-तार कर देते हैं। भाजपा के एक विधायक खुलेआम घोषणा करते हैं कि यदि कोई हिंदू युवा मुस्लिम लड़की को फंसा कर शादी करता है तो उसको इनाम में पाँच लाख रुपए दिए जाएंगे। उनका यह भाषण नफरत फैलाने वाला है और सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट फैसला है कि समाज में नफरत फैलाने वाले बयानों पर संबंध राज्य की पुलिस स्वत संज्ञान लेकर ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और कानूनी कार्यवाही करें। लेकिन पुलिस उल्टा करती है ना तो खुद कोई कार्यवाही करती है बल्कि यदि कोई एफआईआर दर्ज करवाने भी जाता है तो पुलिस दर्ज नहीं करती है। बिहार के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तो सारी हदें पार कर दी उन्होंने अपने बयान में बिहार के पूरे मुसलमानों को ही हरामखोर कह दिया और कहा कि मुसलमानों ने नीतीश सरकार की सारी योजनाओं का लाभ तो उठा लिया है, लेकिन अब नीतीश की पार्टी को वोट नहीं दे रहे हैं। गिरिराज सिंह शायद भूल गए हैं के मुसलमान भी इस देश का नागरिक है और हर नागरिक की तरह हर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना उसका संवैधानिक अधिकार है। मैं कुछ और भाजपा शासित राज्य सरकारों के निर्णय का उदाहरण सामने रखता हूं जिससे साफ हो जाएगा कि भाजपा की राज्य सरकारें कैसे लगातार मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर हमलावर रही है। बात असम सरकार की करते हैं यहां का मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा जब भी मुंह खोलता है। उसके मुंह से मुसलमानों के लिए नफरत ही निकलती है। पहले उसने हजारों मुसलमानों के घरों को अवैध बताकर बुलडोजर चलवा दिये। फिर सैकड़ो मदरसों को बंद कर दिया। अब असम के बांग्ला भाषी भारतीय मुसलमानों को विदेशी साबित करने की साजिश कर रहा है। उसके लिए 1950 का इमीग्रेशन एक्ट को हथियार बना रहा है। यह एक्ट भारत के विभाजन के समय इसलिए बना था कि बांग्लादेश के पूर्वी पाकिस्तान के मुसलमान भारत में न आ पाये। लेकिन कुछ महीने बाद ही नेहरू जी के समझ में आ गया कि यह एक्ट धर्म के आधार पर भेदभाव करने वाला है। कोई भी धर्म का मानने वाला अगर भारत में रहना चाहता है तो उसे आने देना चाहिए और इस एक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया

गया। अब इसको हथियार बनाकर हेमंत बिस्वा शर्मा की कैबिनेट ने एक (एस ओ पी) योजना लागू की है। स्ट्रैंड आफटेरिंग प्रोसीजर। इसमें किसी भी बांग्ला भाषी पर शक हो जाता है कि यह विदेशी है तो कोई भी उसकी शिकायत जिला कमिश्नर को कर सकता है। जिला कमिश्नर उस व्यक्ति को नोटिस देगा और उसे 10 दिन मैं अपनी नागरिकता साबित करनी होगी और नागरिकता साबित करने के लिए कौन से दस्तावेज मानने होंगे इसका कोई उल्लेख नहीं है। यानी सब मुद्दा कमिश्नर के हाथ में है यदि कमिश्नर संतुष्ट नहीं होता है तो उसको सीधा हार्डींग सेंटर में भेज दिया जाएगा, और फिर बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया जाएगा। उसे सुनवाई का कोई मौका नहीं दिया जाएगा। कर्नाटक के संग से जुड़े हिंदूवादी संगठनों ने तो गजब ही कर दिया। कर्नाटक में सरकार अपने सरकारी धन से मैसूर में चामुंडा माता में विशाल दशहरे का आयोजन करती है। कर्नाटक सरकार ने इस बार इस दशहरे के आयोजन में कन्नड़ लोक लेखिका सुश्री बानू मुश्ताक को मुख्य अतिथि बनाने का फैसला किया था। क्योंकि वह कन्नड़ भाषा की पहली लेखक या लेखिका हैं। जिन्हें कन्नड़ साहित्य में विश्व प्रसिद्ध बुकर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। राज्य सरकार के इस फैसले के विरोध में हिंदूवादी संगठन कर्नाटक हाईकोर्ट चले गए और दलील दी की दशहरा हिंदुओं का त्यौहार है। इसलिए किसी मुस्लिम को इसमें मुख्य अतिथि नहीं बनाया जाये। अब कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। तो यह लोग सुप्रीम कोर्ट चले गए और वहां भी यही दलील दी। तब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज करते हुए कहा कि दशहरे का आयोजन सरकार करती है, और उसके आयोजन में सरकारी धन खर्च होता है, और सरकार के संविधान के अनुसार सरकार का कोई धर्म नहीं होता है। सुश्री बानू मुश्ताक को इस आयोजन में मुख्य अतिथि बनाना उचित और संवैधानिक फैसला है। इस प्रकरण से आप समझ सकते हैं कि मोहन भागवत जी के संगठनों से जुड़े लोगों का हिंदू मन सांप्रदायिक है या नहीं। यूपी में तो पुलिस ने गजब ही कर दिया। कानपुर में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में कुछ युवाओं ने आई लव मोहम्मद के बैनर लगा दिए। तो कुछ हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया और थाने चले गए और पुलिस 8 नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। जब यह मुद्दा राष्ट्रीव्यापी बन गया और पूरे देश में पूछा जाने लगा कि आई लव मोहम्मद भारतीय दंड संहिता की कौन सी धारा का उल्लंघन हुआ है। पूरे देश में लाखों लोगों ने अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्टेटस में आई लव मोहम्मद लिखना शुरू कर दिया। तो कानपुर पुलिस बैकफुट पर आ गई और सफाई देने लगी की एफ आई आर तो टेंट के अतिक्रमण की है। अब जरा सोचिए कि अगर यह मामला सोशल मीडिया में ट्रेंड नहीं करता तो कानपुर पुलिस 10, 20 मुसलमानों को जेल में डाल चुकी होती। इस घटना से पता चलता है कि कैसे भाजपा शासित राज्यों में पुलिस का भी सांप्रदायिक करण हो गया है और इन राज्यों की पुलिस भी कैसे देश के मुसलमानों के नागरिक अधिकारों पर हमले कर रही है। मध्य प्रदेश में तो जैसे कानून का राज बचा ही नहीं है। इंदौर में एक कपड़ा बाजार है शीतला माता बाजार इस बाजार में सिर्फ महिलाएं ही खरीदारी करने आती हैं। इंदौर के विधायक पुत्र एकलव्य सिंह गौड़ ने फरमान जारी कर दिया कि दुकानदार अपने सभी मुस्लिम सेल्समैनों को नौकरी से निकालें। क्योंकि उनकी वजह से लव-जिहाद बढ़ रहा है और हैरानी की बात है दुकानदारों ने इस फरमान को मानते हुए सभी मुस्लिम सेल्समैनों को नौकरियों से निकाल दिया है। अब मोहन भागवत जी को बताना चाहिए कि उनके संगठनों से जुड़े लोगों के हिंदू मन में क्या है? राजस्थान के भीलवाड़ा में तो अजब वाक्य हुआ। कुछ लोगों ने अपने ठेलो पर वेज बिरियानी लिखा हुआ था। तो हिंदूवादी संगठन पुलिस के साथ पहुंच गए और कहने लगे बिरयानी मुस्लिम शब्द है। इसलिए बिरयानी की जगह वेज पुलाव लिखो। अब अनपढ़ों को कौन समझाएं की वेज भी और पुलाव भी दोनों ही तुम्हारे शब्द नहीं है। लेकिन यह सब मुसलमानों से नफरत करने के कारण कर रहे हैं। अगर हम सारी घटनाओं का विश्लेषण करें तो एक ही नतीजा निकलता है कि भाजपा शासित राज्य सरकारों में मुसलमानों के नागरिक अधिकारों को कुचला जा रहा है।

डॉ. एस खान

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौता भारत के लिए क्या मायने रखता है?

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौता भारत की विदेश नीति की असफलता माना जा रहा है। भारत की सुरक्षा जरूरतों को यदि ध्यान में रखा जाए तो सऊदी अरब और पाकिस्तान का यह सुरक्षा समझौता भारत के लिए नुकसानदायक ही माना जाएगा। वैसे भारत की सैन्य और आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत है कि पाकिस्तान और सऊदी अरब मिलकर भी भारत को बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा सकते हैं। फिर भी दीर्घ अवधि में इस समझौते का भारत पर प्रभाव पड़ेगा। सऊदी अरब के भारत से राजनीतिज्ञ, आर्थिक और कूटनीतिज्ञ संबंध अच्छे स्तर पर हैं। जबकि पाकिस्तान भारत का कट्टर दुश्मन देश है। इजरायल और अमेरिका के डर से हुआ सऊदी अरब और पाकिस्तान रक्षा समझौता नाटो समझौता के बाद विश्व का दूसरा ऐसा समझौता है जिसमें पाकिस्तान और सऊदी अरब पर किसी भी देश द्वारा किया गया आक्रमण दोनों देशों पर आक्रमण माना जाएगा और दोनों देश मिलकर उसका मुकाबला करेंगे। पाकिस्तान को सऊदी अरब से हुए रक्षा समझौते के सबसे ज्यादा फायदा दिखाई दे रहा है। इजरायल के आक्रमणों से सबसे ज्यादा पश्चिम एशिया के मुस्लिम देश परेशान दिखाई दे रहे हैं। इजरायल के सामने मुकाबला करने की किसी भी मुस्लिम देश के पास ताकत नहीं है। ईरान, तुर्की एवं पाकिस्तान ही इजरायल का मुकाबला कर सकते हैं। पाकिस्तान विश्व सैन्य क्षमता के अनुसार 12वा सबसे ताकतवर देश होने के साथ-साथ परमाणु संपन्न देश है। ऐसी स्थिति में सऊदी अरब पर इजरायल और अन्य देश का आक्रमण करना आसान नहीं होगा। सऊदी अरब आर्थिक रूप से धनाडय देशों में शामिल है। जबकि पाकिस्तान परमाणु हथियार संपन्न होने के बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर देश है। पाकिस्तान पर आईएमएफ और काफी देश का बड़ा कर्ज है। आर्थिक कमजोरी के कारण पाकिस्तान की विश्व स्तर पर कमजोर इमेज बनी हुई है। दूसरा पाकिस्तान को आतंकवाद का पोषक भी माना जाता है। फिर सऊदी अरब से समझौता के बाद पाकिस्तान में सऊदी अरब और संयुक्त अमीरात की ओर से रेल, सड़क एवं बुनियादी ढांचे में बड़ा निवेश किया जाएगा, पाकिस्तान के सैन्य प्रोजेक्ट जो धन की कमी से बंद पड़े हैं या रुके हुए हैं शुरू हो जाएंगे। पाकिस्तान के मुस्लिम देशों में स्वीकार्यता बढ़ जाएगी। माना जा रहा है कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के रक्षा समझौते में जल्दी और मुस्लिम देश जुड़ सकते हैं। तुर्की ने भारत पाकिस्तान युद्ध के समय पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी। इसलिए तुर्की पाकिस्तान का सैन्य पार्टनर पहले से ही है। पाकिस्तान ऐसा देश है जो भारत में आतंकवाद फैलाता है, भारत को कमजोर करना चाहता है। अब जबकि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तो वह भारत में आतंकवाद फैलाने में और धन और संसाधन खर्च करेगा। वर्तमान में चीन पाकिस्तान का सहयोगी देश है। इसलिए कहा जा सकता है कि सऊदी अरब और पाकिस्तान का रक्षा समझौता भारत के लिहाज से ठीक नहीं कहा जा सकता है।

स्वतंत्रता सेनानी सैयद अताउल्लाह शाह बुखारी. ब्रिटिश हुकूमत के कट्टर विरोधी

सैयद अताउल्लाह शाह बुखारी का जन्म 23 सितंबर 1892 को पटना में हुआ। अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद वह सहारनपुर जिले के देवबंद में मदरसे से जुड़ गए। सैयद अताउल्लाह शाह बुखारी ने अपने कैरियर की शुरुआत अमृतसर की एक छोटी मस्जिद में एक धार्मिक उद्देशक के रूप में की और लगभग 40 वर्षों तक कुरान की शिक्षा दी। अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही अपने भाषणों में उन्होंने गरीबों की दुःख ओर तकलीफ का जिक्र किया, और अपने अनुयायियों से वादा किया कि उनकी परेशानी का अंत ब्रिटिश शासन के अंत के साथ होगा। कोलकाता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आंदोलन में दिए गए भाषण के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटिश अधिकारियों के दृष्टिकोण में अताउल्लाह शाह एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनके साथ बातचीत करने से कांग्रेस नेताओं से दूर जेल में बंद रहना बेहतर है। उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा ब्रिटिश विरोध का प्रचार करने में बिताया वह भारत में भारतीय राष्ट्रवादी मुस्लिम राजनीतिक आंदोलन मजलिस-ए-अहरार के संस्थापक पिता भी थे। 1946 में अहरार आंदोलन ने भारत के विभाजन का विरोध प्रस्ताव पारित किया। अताउल्लाह शाह बुखारी एक मुस्लिम हनीफी विद्वान भी थे। वह अपनी वक्तत्व कला के लिए भी जाने जाते थे। और अधिकांश कलाएं फारसी में करते थे। उनकी कविता का संकलन सवती-अल-इलहाम में किया गया है। उनके जीवनी लेखक आगा शोरिश कश्मीरी कहते हैं, की बुखारी का सबसे बड़ा योगदान भारतीय मुसलमानों के बीच ब्रिटिश विरोधी भावनाओं का अनुसरण था। इन्होंने भारत विभाजन के समय पाकिस्तानी नागरिकता ग्रहण की और उनकी मृत्यु 1961 में पाकिस्तान के मुल्तान में हुई।

हाफ़िज़ मोहम्मद ज़ामिन शहीद,1857 की क्रांति के गुमनाम नायक

हाफ़िज़ मोहम्मद ज़ामिन 1857 के विद्रोह में शहीद होने वालों में से एक हैं। उनका जन्म 1809 ई. में मुज़फ्फरनगर में हुआ था। उन्होंने इस्लामिक रीति रिवाज़ो से शिक्षा हासिल कर कुरान के हाफ़िज़ बन गये। उस ज़माने में लोगों को रूहानियत, इल्मे तसव्वुफ का शौक होने की वजह से आपने "मियां जी नूर मोहम्मद झाझनवी" से बेअत स्वीकार कर ली। दौर था 1857 का, जब धीरे धीरे फिरंगियों के खिलाफ अलग अलग क्षेत्रों और रियासतों में बगावत की चिंगारियां सुलग रही थी, इसी दरमियान थाना भवन के स्थानीय निवासियों द्वारा हाजी इमदाद उल्ला मुहाजिर मक्की को अपना नेता घोषित कर दिया जाता है। मौलाना रशीद अहमद गगोंही, मौलाना कासिम नानौतवी, हाफ़िज़ मोहम्मद ज़ामिन समेत थाना भवन और शामली की जनता ने हाजी इमदाद उल्ला के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ शामली में बिगुल बजा डाला। शामली तहसील में ब्रिटिश हुकूमत का खज़ाना और यहीं तोपखाना, अस्लहा मौजूद था। 14 सितंबर 1857 का दिन था -- क्रान्तिकारी समूह द्वारा तहसील पर धावा बोल कर, उसे तहस नहस कर डाला और अंग्रेज़ फौज की ईंट से ईंट बजा डाली। अंग्रेज़ फौज और विद्रोहियों में कई घंटों तक सख्त लड़ाई हुई और इसी दौरान गोलीबारी में हाफ़िज़ मोहम्मद ज़ामिन के पेट में गोली लग जाती हैं और वे लहुलुहान होकर देश के लिए शहीद हो जातें हैं। सलाम इन वीर सपूतों को जिन्होंने देश के खातिर अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें स्वतंत्रत भारत में स्वतंत्र सांस लेने का सौभाग्य दिया ।

हजरत अबूजर रज़ी. अ. की मशहूर हदीस

एक मशहूर हदीस जिसको हजरत अबूजर गफारी रज़ी. अ. ने रिवायत किया है। आप (अबूजर रज़ी. अ.) फरमाते हैं कि मैं मस्जिद में आया उस वक्त हजरत हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम तशरीफ़ फरमा थे। मैं भी आपके पास बैठ गया और मैंने कहा आप स. अ. ने नमाज का हुक्म दिया है? आप स. अ. ने फरमाया हां वो बेहतर चीज है। मैंने कहा हुजूर स. अ. कौन सा आमाल अफजल है? फरमाया अल्लाह पर ईमान लाना, उसकी राह में जिहाद करना, मैंने कहा हुजूर स. अ. कौन-सा मोमिन अफजल है? फरमाया सबसे अच्छे अखलाक वाला। मैंने कहा हुजूर स. अ. कौन-सा मुसलमान आला है ? फरमाया जिसकी जबान और हाथ से मुसलमान सलामत रहें । मैंने पूछा कौन-सी हिजरत अफजल है ? फरमाया बुराइयों को छोड़ देना। मैंने पूछा कौन-सी नमाज अफजल है? फरमाया लंबे कुनूत (इबादत) वाली। मैंने पूछा कौन-सा रोजा अफजल है? फरमाया फर्ज किफायत करने वाला है और अल्लाह तआला के पास बहुत बढ़ा-चढ़ा सवाब है। मैंने पूछा कौन-सा जिहाद अफजल है? फरमाया जिसका घोड़ा भी काट दिया जाए और खुद उसका खून बहा दिया जाए, मैंने कहा कौन-सा गुलाम आजाद करना अफजल है? फरमाया जिस कदर गरां (महंगी) कीमत हो और मालिक को ज्यादा पसंद हो, मैंने पूछा सदका कौन-सा अफजल है? फरमाया कम माल वाले का कोशिश करना और चुपके से मोहताज को दे देना। मैंने कहा कुरान में सबसे बड़ी आयत कौन-सी है? फरमाया आयतुल कुर्सी, फिर आप स. अ. ने फरमाया ए ! अबूजर सातों आसमान कुर्सी के मुकाबले में ऐसे हैं जैसे कोई हलका किसी चटियल मैदान के मुकाबले में और अर्श की फजीलत कुर्सी पर भी ऐसी है जैसे वसीअ (चौड़े) मैदान के हलके पर (गोल इलाका)। हजरत अबूजर गफारी ने फिर कहा हुजूर स. अ. अंबिया कितने हैं ?

फरमाया एक लाख चौबीस हज़ार, मैंने कहा उन में से रसूल कितने हैं ? फरमाया तिन सौ तेरह बहुत बड़ी पाक जमाअत, मैंने पूछा सबसे पहले कौन हैं ? फरमाया हजरत आदम अ.स., मैंने कहा वो भी नबी रसूल थे? फरमाया हां उन्हें अल्लाह तआला ने अपने हाथ से पैदा किया और अपनी रूह उनमें फूंकी और उन्हें सहीतर बनाया। फिर आपने फ़रमाया सुनो चार नबी तो सुरयानी हैं, आदम अ.स.शीस अ.स., खुन्नू अ.स. और यही इदरीस अ.स. हैं, जिसने सबसे पहले कलम से लिखा और नूह अ.स. और चार अरबी हैं, हूद अ.स., शुएब अ.स., सालेह अ.स. और तुम्हारे नबी स.अ.। सबसे पहले रसूल हजरत आदम अ. स. हैं और सबसे आखरी रसूल मोहम्मद स. अ. हैं । मैंने पूछा या रसूल अल्लाह अल्लाह तआला ने किताबें कितनी नाजिल फरमाई हैं । फरमाया एक सौ चार, हज़रत शीस अ. स. पर पचास सहीफ़े, हजरत खून्नू अ. स. (इदरीस) पर तीस सहीफ़े, हजरत इब्राहिम अ.स. पर दस सहीफ़े, और मूसा अ. स. पर तोरेत से पहले दस सहीफ़े और तोरात, इंजील (हजरत ईसा अ. स. पर), जुबूर (हजरत दाऊद अ. स.) पर और फुरकान (कुरान मजीद) ।

मैंने कहा या रसूल अल्लाह स. अ. हजरत इब्राहिम अ. स. के सहिफों में क्या था? फरमाया उसका कुल ये था । ए ! बादशाह मुसल्लत किया हुआ मगरूर मैंने तुझे दुनिया जमा करने वाला और मिला-मिला कर रखने के लिए नहीं भेजा ।

बल्कि इसलिए कि तू मजलूम की पुकार को मेरे सामने से हटा दे, अगर मेरे पास पहुंचे तो मैं उसे रद्द न करूंगा गोया वोह मजलूम काफिर ही हो। उनमें मिसालें भी थीं यह कि आकिल को चाहिए कि वोह औकात के कई हिस्से करे, एक वक्त अपने नफ्स का हिसाब ले, एक वक्त खुदा तआला की सिफत पर गौर करे, एक वक्त अपने खाने-पीने की फिक्र करे, आकिल को चाहिए कि तीन चीजों के सिवा किसी में अपने आप को मुनहमिक (यानी मसरूफ) ना करे, या तो तोशा आखिरत (नेक आमाल) या हुसूले मआश, या गैर हराम चीजों से सुरूर लज्जत। आकिल को चाहिए कि अपना वक्त देखता रहे, अपने काम में लगा रहे अपनी जुबान की निगाह दाश्त करे । जो शख्स अपने कोल को अपने फेल से मिलाता रहेगा वोह बहुत कम गो (कम बोलने वाला) होगा। कलाम वो ही करो जो तुम्हें नफा दे। मैंने पूछा मूसा अ. स. के सहीफों में क्या था? फरमाया सरासर इबरतें, मुझे ताअज्जुब है उस शख्स पर जो मौत का यकीन रखता है फिर मस्त है, तकदीर का यकीन रखता है फिर हाय-हाय में पड़ा हुआ है। दुनिया की बेसबाती देखाता है फिर उस पर इत्मीनान किए हुए है। कयामत के हिसाब के दिन को जानता है फिर भी बेअमल है। मैंने फिर हुजूर स. अ. अगले अंबिया की किताबों में जो था उसमें से कुछ हमारी किताब (कुरान हकीम) जो हमारे हाथों में है। आपने स. अ. पढ़ो कुरान की सत्यास्वीं सूरत "सूरत आला" आयत नंबर 14 से आखिरी आयत 19 तक जिनमें हजरत मूसा के सहीफों का जिक्र है। जिनका तर्जुमा निम्न अनुसार है। बेशक उन लोगों ने फलाह पाली जो पाक हो गए और जिन्होंने अपने रब का नाम याद रखा और नमाज पढ़ते रहे, लेकिन तुम दुनिया का जीना सामने रखते हो, और आखिरत बहुत बेहतर और बहुत बका वाली है, यह बातें पहली किताबों में भी हैं, यानि इब्राहिम अ. स. और मूसा अ. स. की किताबों में है तफसीर आयत सफा 22 व् 23 सूरत निसा तफ़रीर इब्ने कसीर मूसनद अहमद की हदीस है कि रसूलुल्लाह स. अ. फरमाते हैं कि जिसने दुनिया से मोहब्बत की उसने अपनी आखिरत को नुकसान पहुंचाया और जिसने आखिरत से मोहब्बत रखी उसने दुनिया को नुकसान पहुंचाया, तुम ए लोगों ! बाकी रहने वाली को फना होने वाली पर तरजीह दो। आखिर में इब्ने करीम से दुआ है कि वोह हमको अपनी जिंदगी में इस हदीस पर ज्यादा से ज्यादा अमल करने की तौफीक अता फरमाए। आमीन !

-हबीबुल्ला एडवोकेट, जवाहर नगर, जयपुर

सुल्तान सलाहुद्दीन अय्यूबी और बैतुल मुक़द्दस की फ़तह

भूमिका

यह बात 12वीं सदी ईस्वी की है, जब शाम (सीरिया) का एक सुल्तान अपने खेमे में आराम कर रहा था। उसी वक्त वहां एक छोटी बच्ची आ जाती है और कहती है, "मुझे 'एजाज' चाहिए।" 'एजाज' उस शहर का नाम था जिसे सुल्तान ने 38 दिन की लड़ाई के बाद हासिल किया था। सुल्तान ने उस छोटी-सी बच्ची को पूरा का पूरा शहर दे दिया। लेकिन यहाँ यह सवाल खड़ा होता है कि सुल्तान ने ऐसा क्यों किया और वह बच्ची कौन थी? यह बच्ची उस ज़माने के बहुत महान बादशाह नूरुद्दीन ज़ंगी की थी। यह वही नूरुद्दीन ज़ंगी थे, जब दो यहूदी मदीना में पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के जिस्म-ए-अतहर (पवित्र शरीर) को उनकी कब्र मुबारक से चुराने की नीयत से आए थे, तो उन्होंने उनको पकड़ कर सज़ा दी थी। यह वही नूरुद्दीन ज़ंगी थे जिनकी फ़ौज का सरदार उसी खेमे में बैठा था, और वह सरदार कोई और नहीं, बल्कि वह था जिसने मुसलमानों को उनका क़िब्ला-ए-अव्वल (पहला क़िब्ला) ईसाइयों से वापस दिलाया था, और उसका नाम था सलाहुद्दीन अय्यूबी।

सलाहुद्दीन अय्यूबी और उस दौर के हालात

सलाहुद्दीन अय्यूबी का असली नाम सलाहुद्दीन यूसुफ़ था, जिनकी पैदाइश 1138 ईस्वी में कुर्दिस्तान में हुई थी। आपका ताल्लुक़ किसी बादशाह के घराने से नहीं था। आपके चाचा, शेरकोह, नूरुद्दीन ज़ंगी की फ़ौज के कमांडर थे। आपके चाचा आपको जंग में साथ ले जाया करते थे, और यहीं से आपका असल सफ़र शुरू हुआ। जब सलाहुद्दीन की उम्र 25 साल की हुई, तो उस वक़्त मुसलमानों की सल्तनत अलग-अलग टुकड़ों में बंटी हुई थी। उस वक़्त अब्बासी सल्तनत के पैर जमे हुए थे, इराक़ और शाम में ख़ुदमुख़्तार हुकूमतों ने क़ब्ज़ा कर रखा था, मिस्र के इलाक़ों में फ़ातिमी ख़ानदान की हुकूमत थी, और मुसलमानों के क़िब्ला-ए-अव्वल पर ईसाइयों का क़ब्ज़ा था। इस ज़माने में सबसे बड़ी दिक़्क़त यह थी कि उस दौर में मुसलमान इकट्ठा नहीं थे; सब अलग-अलग हुकूमतों में बंटे हुए थे।

बैतुल मुक़द्दस पर सलीबियों (Crusaders) का क़ब्ज़ा

अब असल सवाल यह आता है कि बैतुल मुक़द्दस पर ईसाई सलीबियों की हुकूमत कैसे क़ायम हुई। बैतुल मुक़द्दस वह जगह है जो यरूशलेम में मौजूद है। यह जगह तीन बड़े मज़हबों—इस्लाम, ईसाई और यहूदी—की नज़र में बहुत बड़ा मक़ाम रखती है। मुसलमानों के लिए बैतुल मुक़द्दस क़िब्ला-ए-अव्वल था और हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) यहीं से मेराज पर गए थे।

हज़रत उमर (रज़ियल्लाहु अन्हु) ने 638 ईस्वी में बैतुल मुक़द्दस को सबसे पहले फ़तह किया और उसको इस्लामी सल्तनत में शामिल कर लिया था। हज़रत उमर (रज़ियल्लाहु अन्हु) ने सब मज़हबों के लोगों को इजाज़त दी कि वे यहाँ आ सकते हैं और इबादत कर सकते हैं, क्योंकि यह मक़ाम तीनों मज़हबों के नज़दीक मुक़द्दस है। इसके साथ-साथ, हज़रत उमर (रज़ियल्लाहु अन्हु) ने उन्हें यहाँ क़याम (रहने) की भी इजाज़त दी।

इसी बात का ग़लत फ़ायदा उठाते हुए, उन्होंने यहाँ नई-नई ख़ुराफ़ात (ग़ैर-इस्लामी गतिविधियाँ) अंजाम देना शुरू कर दिया, जैसे गाना-बजाना और नशा करना। जब मुसलमानों ने उन्हें यह समझाने की कोशिश की कि आप जो यह सब कर रहे हैं, इससे हमारी मस्जिद की बे-हुर्मती (अपमान) होती है, तो भी वे लोग नहीं माने। उनके दरमियान एक शख़्स, जिसका नाम पीटर द हरमिट था, ने सारी ईसाई कौम को मुसलमानों के ख़िलाफ़ भड़काना शुरू कर दिया। वह जगह-जगह लोगों को जमा करके कहता, "मुसलमान हमारे दुश्मन हैं, वे हमें हमारी मज़हबी

रस्में अदा नहीं करने दे रहे।"

यह नफ़रत सिर्फ़ यहीं तक सीमित नहीं रही, बल्कि जर्मनी, इटली, यूनान और दुनियाभर तक इस बात का प्रचार किया गया और उन सबको मुसलमानों के ख़िलाफ़ इकट्ठा किया गया। उस वक़्त के ईसाई उलेमा (धर्मगुरुओं) ने यह फ़तवा दिया कि हमें यरूशलेम को मुसलमानों से आज़ाद कराना है, क्योंकि हज़रत ईसा (अलैहिस्सलाम) वापस दुनिया में तब आएँगे जब हम मुसलमानों को यहाँ से बाहर निकाल फेंकेंगे। यहाँ तक कह दिया गया कि जिन लोगों के सिरों पर बहुत गुनाह हैं, अगर वे यरूशलेम का सफ़र करेंगे और वहाँ क़याम करेंगे, तो उनके सारे गुनाह माफ़ हो जाएँगे। इसके बाद पूरी दुनिया से ईसाई लोग यरूशलेम का सफ़र करने लगे और देखते-देखते इनकी तादाद 10 लाख तक पहुँच गई।

इस 10 लाख के क़ाफ़िले का मुक़ाबला सेल्जुक सल्तनत के मुट्ठी भर सिपाहियों से हुआ। उसके बाद जो फ़िलिस्तीन की सरज़मीन ख़ून से सुर्ख़ हो गई... उस वक़्त फ़िलिस्तीन में 8 दिनों में 60,000 मुसलमानों को क़त्ल कर दिया गया। और यह ख़ून-रेज़ी और नरसंहार सिर्फ़ फ़िलिस्तीन तक ही नहीं, बल्कि सीरिया और जॉर्डन जैसे इलाक़ों पर भी क़ब्ज़ा कर लिया गया। वहाँ सिर्फ़ इंसानी क़त्ल-ए-आम ही नहीं, बल्कि इल्मी (ज्ञान का) क़त्ल-ए-आम भी हुआ। एक ऐसी लाइब्रेरी, जिसमें 19 लाख किताबें थीं, जिसमें दर्शन और अन्य कलाओं की किताबें थीं, उन सबको भी जलाकर राख कर दिया गया। और देखते-ही-देखते फ़िलिस्तीन ईसाइयों के क़ब्ज़े में आ गया।

सलाहुद्दीन अय्यूबी का उदय

कहा जाता है:

"ग़लबा-ए-कुफ़्र से घबराए अहले-ईमान, रात के बाद ही हंगामा-ए-सहर होता है।"

मतलब, रात के बाद ही सूरज की पहली किरण नज़र आती है। और यह सुबह की किरण लाने वाले कोई और नहीं, सलाहुद्दीन अय्यूबी थे।

उनकी ज़िंदगी का मक़सद ही यही था कि उनको मुसलमानों को उनका क़िब्ला-ए-अव्वल वापस दिलाना है। वहाँ, सलाहुद्दीन अपने चाचा के इंतक़ाल के बाद नूरुद्दीन ज़ंगी की फ़ौज के कमांडर बन गए थे। सलाहुद्दीन अय्यूबी (रहमतुल्लाह अलैह) ने सबसे पहले मिस्र फ़तह किया और जो मुसलमानों की हुकूमतें जगह-जगह टुकड़ों में बंटी थीं, उन सबको एक किया, ताकि मुसलमानों की एक मज़बूत ताक़त बन सके।

हत्तीन की जंग और बैतुल मुक़द्दस की आज़ादी

लेकिन मसल का एक बादशाह ऐसा था जो सलीबियों का साथ दे रहा था। जब सलाहुद्दीन (रहमतुल्लाह अलैह) को यह बात पता चली, तो सुल्तान ने सलीबियों को सबक़ सिखाने के लिए सन् 1177 में इन पर हमला किया। सुल्तान ने इनके कई क़िलों को फ़तह किया और वहाँ हर क़िले पर अपने सिपाही आबाद करते गए, जिसकी वजह से ज़ाहिर तौर पर दिखने में सुल्तान की फ़ौज आहिस्ता-आहिस्ता कम होने लगी। 24 नवंबर 1177 ईस्वी में सुल्तान पर सलीबियों ने अचानक हमला कर दिया। सुल्तान को उस वक़्त पीछे हटना पड़ा, क्योंकि उस वक़्त सुल्तान के साथ ज़्यादा लोग नहीं थे और उनकी फ़ौज कम हो चुकी थी।

इसके बाद सलीबियों ने सोचा कि सुल्तान के पास तो बहुत कम फ़ौज है, जो जंग में पीछे हट जाती है। सलीबियों ने इस जंग के बाद एक बड़ी फ़ौज इकट्ठा की और 10 जून 1179 को सलाहुद्दीन पर एक ज़बरदस्त हमला किया। लेकिन अफ़सोस, इस जंग में सलीबियों को बहुत ही बुरी शिकस्त हुई, क्योंकि वे सोच रहे थे कि सुल्तान के पास बहुत कम फ़ौज है, लेकिन ऐसा नहीं था। सुल्तान अपनी फ़ौज के साथ मुत्तहिद (एकजुट) थे। हार के बाद सलीबियों ने सुल्तान से अमन का मुआहिदा (शांति समझौता) किया। सुल्तान चाहते तो फ़िलिस्तीन में घुसकर उसको फ़तह कर लेते, लेकिन उन्होंने अपनी ईमानदारी का मुज़ाहिरा करके अमन का मुआहिदा किया और किसी को किसी तरह की कोई तकलीफ़ नहीं दी।

इतना सब कुछ होने के बावजूद सलीबी बाज़ नहीं आए और अलग-अलग तरीक़ों से मुसलमानों को तकलीफ़ देते रहे, "जैसे आज भी देते हैं।" इन्हीं के बीच इनका एक कमांडर था, जिसका नाम रेनॉल्ड डी चटिलॉन था। यह कमांडर एक बड़ी फ़ौज के साथ मदीना की तरफ़ रवाना हुआ, ताकि वह मदीना पर हमला करके उसको तबाह कर सके। जैसे ही इसकी ख़बर सुल्तान को हुई, सुल्तान अपना लश्कर लेकर मदीना की तरफ़ बढ़े। रास्ते में हत्तीन का एक मक़ाम पड़ता है, जहाँ सलीबियों की 60,000 लोगों की फ़ौज खड़ी थी। वहाँ सलाहुद्दीन और सलीबियों के बीच एक ख़ूंख़ार जंग होती है, जिसमें सलीबियों के 30,000 लोग मारे जाते हैं और 30,000 लोगों को बंदी बना लिया जाता है। 4 जुलाई 1187 को हुई इस जंग में सुल्तान ने अपनी तलवार से रेनॉल्ड का सर क़लम किया।

उसके बाद, वहाँ से सलाहुद्दीन ने बैतुल मुक़द्दस का रुख़ किया, जहाँ ईसाइयों और सलीबियों का एक बड़ा लश्कर मौजूद था। 8 दिन तक यह जंग चली और बैतुल मुक़द्दस फ़तह हुआ। और जब आपने यह मुक़द्दस जगह फ़तह की, तो वहाँ रह रहे ईसाई नागरिकों को क़त्ल नहीं किया। उनके साथ ऐसा सुलूक किया कि वे भी हैरान थे कि आख़िरकार एक बादशाह इतना आदिल (न्यायप्रिय) और सख़ी (उदार) कैसे हो सकता है।

और आज वह वक़्त आ चुका है, जब उसी फ़िलिस्तीन की सरज़मीन पर मुसलमानों का ख़ून बहाया जा रहा है, उनको क़त्ल किया जा रहा है। आज सब मुसलमान हुक्मरान आपस में तो एक साथ हैं, लेकिन आज फ़िलिस्तीन में हो रहे कत्ले आम पर सब खामोश है। आज भी फ़िलिस्तीन ऐसे ही किसी सलाहुद्दीन के इंतज़ार में है।

-मुहम्मद सोहैल

रेलवे में अप्रेंटिस के 2865 पदों पर निकली भर्ती

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने जबलपुर, भोपाल, मध्य प्रदेश और कोटा, राजस्थान में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होगी। उसके बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
30 अगस्त से 29 सितम्बर तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं, 12वीं पास होना चाहिए।
आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल
ओबीसी : 3 साल
एससी/एसटी : 5 साल
पीडब्ल्यूडी (सामान्य) : 10 साल
पीडब्ल्यूडी (ओबीसी) : 13 साल
पीडब्ल्यूडी (एससी/एसटी) : 15 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 141 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : 41 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें

इंटेलिजेंस ब्यूरो में 455 पदों पर निकली भर्ती

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) ने सिक्योरिटी असिस्टेंट मोटर ट्रांसपोर्ट के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mha.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
6 सितंबर 2025, लास्ट डेट 28 सितंबर 2025

वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
जनरल	219
ओबीसी एनसीएल	90
एससी	51
एसटी	49
ईडब्ल्यूएस	46

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
ड्राइविंग लाइसेंस (LMV) होना चाहिए।
कार ड्राइविंग का एक साल का अनुभव होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 650 रुपए
एससी, एसटी, महिला, एक्स सर्विसमैन : 550 रुपए

सैलरी :
21,700-69,100 रुपए प्रति माह
अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे।

सिलेक्शन प्रोसेस :
टियर - 1 एग्जाम
टियर - 2 एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.mha.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर एक पीडीएफ खुलेगी, जिसमें दिए गए लिंक को ब्राउजर में टाइप करें।
ऑनलाइन एप्लिकेशन फॉर्म खुल जाएगा।
मांगी गई जरूरी डिटेल्स के साथ योग्यता , अनुभव, फोटो और स्कैन सिग्नेचर अपलोड करें।
ऑफिशियल पेमेंट पोर्टल के माध्यम से अपनी एप्लिकेशन फीस जमा करें।
'सब्मिट' से पहले अपने फॉर्म का एक बार रिव्यू कर लें।
फॉर्म सब्मिट करने के बाद कंफर्मेशन पेज डाउनलोड करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)
बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

16. 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत कब हुई?
a) 2 अक्टूबर 2014 b) 15 अगस्त 2015 c) 26 जनवरी 2016 d) 1 जनवरी 2017
उत्तर: a) 2 अक्टूबर 2014
विश्लेषण: यह गांधी जयंती पर शुरू हुआ।

17. राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति 2018 का मुख्य लक्ष्य क्या है?
a) डिजिटल शिक्षा b) डिजिटल कनेक्टिविटी c) साइबर सुरक्षा d) ई-कॉमर्स
उत्तर: b) डिजिटल कनेक्टिविटी
विश्लेषण: यह भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाती है।

18. भारत का पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित हुआ?
a) मणिपुर b) दिल्ली c) हरियाणा d) गुजरात
उत्तर: a) मणिपुर
विश्लेषण: यह खेल शिक्षा को बढ़ावा देता है।

19. 'आयुष्मान भारत' योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) मुफ्त शिक्षा b) स्वास्थ्य बीमा c) रोजगार सृजन d) आवास प्रदान करना
उत्तर: b) स्वास्थ्य बीमा
विश्लेषण: यह गरीब परिवारों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करता है।

20. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की स्थापना कब हुई?
a) 2005 b) 2010 c) 2015 d) 2020
उत्तर: a) 2005 विश्लेषण: यह आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत स्थापित हुआ।

21. 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' का शुभारंभ कब हुआ?
a) 2014 b) 2016 c) 2018 d) 2020
उत्तर: a) 2014 विश्लेषण: यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देती है।

22. भारत का पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र कहाँ स्थापित हुआ?
a) गुजरात b) राजस्थान c) हरियाणा d) तमिलनाडु
उत्तर: a) गुजरात
विश्लेषण: यह नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

23. 'महासागर' (MAHASAGAR) पहल का संबंध किससे है?
a) समुद्री रणनीति b) अंतरिक्ष अनुसंधान c) डिजिटल शिक्षा d) पर्यावरण संरक्षण
उत्तर: a) समुद्री रणनीति
विश्लेषण: यह भारत की समुद्री दृष्टि को मजबूत करती है।

24. भारत रत्न 2025 में किसे सम्मानित किया गया?
a) नरेंद्र मोदी b) लालकृष्ण आडवाणी c) अमित शाह d) कोई नहीं
उत्तर: b) लालकृष्ण आडवाणी
विश्लेषण: यह भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

25. 'उज्ज्वला योजना' का उद्देश्य क्या है?
a) मुफ्त बिजली b) मुफ्त रसोई गैस c) मुफ्त शिक्षा d) मुफ्त आवास
उत्तर: b) मुफ्त रसोई गैस
विश्लेषण: यह गरीब परिवारों को स्वच्छ ईंधन प्रदान करती है।

26. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम क्या थी?
a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी b) स्वदेशी प्रौद्योगिकी c) पर्यावरण संरक्षण d) डिजिटल नवाचार
उत्तर: b) स्वदेशी प्रौद्योगिकी
विश्लेषण: यह भारत की वैज्ञानिक प्रगति पर केंद्रित है।

27. 'प्रधानमंत्री आवास योजना' का लक्ष्य कब तक है?
a) 2022 b) 2025 c) 2030 d) 2047
उत्तर: b) 2025
विश्लेषण: यह सभी को आवास प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।

28. भारत का पहला डिजिटल गांव कहाँ स्थापित हुआ?
a) गुजरात b) केरल c) महाराष्ट्र d) तमिलनाडु
उत्तर: b) केरल
विश्लेषण: यह डिजिटल इंडिया का हिस्सा है।

29. 'नमामि गंगे' परियोजना का उद्देश्य क्या है?
a) नदी सफाई b) वन संरक्षण c) सौर ऊर्जा d) शिक्षा सुधार
उत्तर: a) नदी सफाई
विश्लेषण: यह गंगा नदी की स्वच्छता पर केंद्रित है।

30. भारत का पहला 5G टेस्टबेड कहाँ शुरू हुआ?
a) दिल्ली b) बेंगलुरु c) हैदराबाद d) चेन्नई
उत्तर: b) बेंगलुरु
विश्लेषण: यह 5G प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा देता है।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

UPPSC ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 1253 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में करेक्शन और फीस जमा करने की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर 2025 तय की गई है। यह भर्ती वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) आधारित ऑनलाइन आवेदन के जरिए होगी।

आवेदन शुरू :
4 सितंबर 2025, लास्ट डेट 6 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों के साथ मास्टर डिग्री।
यूजीसी नेट या समकक्ष परीक्षा (जैसे NET या Ph.D.) पास होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
राज्य के आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
57,700 -1,82,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 125 रुपए
एससी, एसटी : 65 रुपए
दिव्यांग : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए
पूर्व सैनिक : निःशुल्क, प्रोसेसिंग फीस 25 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।
वन टाइम रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें।
मोबाइल नंबर, मेल आईडी आदि दर्ज कर रजिस्ट्रेशन करें।

एमपी में 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPESB) ने 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस बार पुलिस मुख्यालय, गृह विभाग के अंतर्गत सूबेदार (अनुसचिवीय), स्टेनोग्राफर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) के 500 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। आवेदन में करेक्शन के लिए 22 अक्टूबर तक मौका दिया जाएगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन 10 दिसंबर 2025 से किया जाएगा।

आवेदन शुरू :
03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
1. सूबेदार (अनुसचिवीय) स्टेनोग्राफर
12वीं पास।
मान्यता प्राप्त परिषद/बोर्ड/पॉलिटेक्निक/आईटीआई से 100 शब्द प्रति मिनट की स्टेनोग्राफी परीक्षा पास।
CPCT एग्जाम पास जिसमें हिन्दी टाइपिंग शामिल हो।
DOEACC से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा पास या
आईटीआई से "COPA" (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) का एक वर्षीय कोर्स
या मान्यता प्राप्त संस्थान से आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम या
UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।
2. एएसआई (सहायक उप निरीक्षक – अनुसचिवीय)
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
CPCT सर्टिफिकेट के साथ हिन्दी टाइपिंग पास होना चाहिए।
MCA / BCA / कम्प्यूटर साइंस / आईटी की डिग्री या AICTE से मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक डिप्लोमा
या DOEACC डिप्लोमा
या आईटीआई से "COPA" एक वर्षीय कोर्स
या आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम
या UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।

फीस :
सामान्य/अनारक्षित : 500 रुपए
एससी / एसटी / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस : 250 रुपए

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
सूबेदार : 36,200 - 114800 रुपए प्रतिमाह
एएसआई : 19,500-6200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
प्रैक्टिकल एग्जाम
एग्जाम पैटर्न :
रिटन एग्जाम :
इसमें सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता और गणित-विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे।
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

प्रैक्टिकल एग्जाम :
शॉर्टहैंड परीक्षा
दोनों परीक्षा के लिए 100-100 अंक तय किए गए हैं।

ऐसे करें आवेदन :
MPESB की ऑफिशियल वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाएं।

एम्स की हाई ब्लड प्रेशर पर हैरान कर देने वाली नई रिसर्च

-बचाव के लिए अपनाएं यह उपाय

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हाई ब्लड प्रेशर या हाइपरटेंशन सबसे आम बीमारियों में गिना जाता है। पहले इसे सिर्फ बुज़ुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब 30–35 साल की उम्र में भी

लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर तीसरा वयस्क ब्लड प्रेशर की समस्या से पीड़ित है। अब तक यह माना जाता था कि गलत लाइफस्टाइल, अनहेल्दी डाइट और तनाव ही इसके बड़े कारण हैं। लेकिन एम्स (AIIMS) की एक ताजा रिसर्च ने डॉक्टरों और पेशेंट्स दोनों को चौंका दिया है।

एम्स की रिसर्च में सामने आया नया कारण
एम्स (नई दिल्ली) के कार्डियोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी डिपार्टमेंट की स्टडी के मुताबिक, हजारों हाइपरटेंशन पेशेंट्स में हाई बीपी की असली वजह हॉर्मोनल डिसऑर्डर भी हो सकती है। इस डिसऑर्डर को कॉन सिंड्रोम (Conn's Syndrome) या प्राइमरी एल्डोस्टेरोनिज़्म कहा जाता है।

क्या है कॉन सिंड्रोम?
मानव शरीर में एड्रिनल ग्लैंड्स (किडनी के ऊपर छोटी ग्रंथियां) मौजूद होती हैं। ये ग्लैंड्स कई हॉर्मोन बनाती हैं, जिनमें से एक है एल्डोस्टेरोन।

इसका काम है शरीर में सोडियम और पोटैशियम का संतुलन बनाए रखना। लेकिन जब यह ग्लैंड जरूरत से ज्यादा एल्डोस्टेरोन बनाने लगती है, तो—शरीर में सोडियम बढ़ जाता है और पोटैशियम घट जाता है, इस असंतुलन से ब्लड प्रेशर तेजी से बढ़ जाता है और मरीज हाइपरटेंशन का शिकार हो जाता है।

रिसर्च के नतीजे
एम्स की टीम ने पाया कि लगभग हर 10 हाई बीपी पेशेंट्स में से 1 को यह हॉर्मोनल डिसऑर्डर होता है। यानी लगभग 10% हाइपरटेंशन मरीजों के पीछे असली वजह लाइफस्टाइल नहीं, बल्कि यह हॉर्मोनल गड़बड़ी है। डॉक्टर्स का कहना है कि अगर इस वजह का समय पर पता चल जाए, तो मरीज को ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में दवाइयों पर आजीवन निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती।

हाई ब्लड प्रेशर के खतरनाक प्रभाव
ब्लड प्रेशर को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण मामूली होते हैं और लोग इन्हें नज़रअंदाज कर देते हैं। लेकिन यह शरीर को धीरे-धीरे अंदर से नुकसान पहुंचाता है।
दिल का दौरा (हार्ट अटैक),स्ट्रोक, किडनी फेलियर, आंखों की रोशनी पर असर, दिमाग की नसों पर दबाव, ये सब हाई बीपी के लंबे समय तक अनकंट्रोल रहने पर हो सकते हैं।

किन संकेतों पर सतर्क हों?
कॉन सिंड्रोम या सामान्य हाइपरटेंशन दोनों में शुरुआती लक्षण अक्सर समान होते हैं: लगातार सिरदर्द रहना, चक्कर आना या आंखों के सामने धुंध छाना, थकान और बेचैनी, पैरों या चेहरे पर सूजन, तेज धड़कन या सीने में दबाव, अगर आपको ये लक्षण बार-बार दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से चेकअप कराना चाहिए।

उपाय: प्राकृतिक तरीके से ब्लड प्रेशर कंट्रोल
आयुर्वेद और योग में ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के कई आसान उपाय बताए गए हैं।

घरेलू नुस्खे
लहसुन: रोज़ खाली पेट 1–2 लहसुन की कलियां खाने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।
आंवला: इसमें मौजूद विटामिन C धमनियों को मजबूत बनाता है।
मेथीदाना पानी: रात को भिगोकर सुबह पीने से हाई बीपी में राहत।
अश्वगंधा और अर्जुन की छाल: दिल को मजबूत करने में लाभकारी।

जीवनशैली सुधार
नमक का सेवन कम करें।
तैलीय और प्रोसेस्ड फूड से बचें।
रोज़ाना कम से कम 30 मिनट टहलना ज़रूरी।
धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएँ।
पर्याप्त नींद लें और तनाव को मैनेज करें।
डॉक्टर और योग – दोनों का संतुलन ज़रूरी
यह सच है कि योग और आयुर्वेद ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में बेहद प्रभावी हैं। लेकिन अगर कॉन सिंड्रोम जैसा हॉर्मोनल कारण मौजूद हो, तो सिर्फ घरेलू उपाय पर्याप्त नहीं होंगे।
ऐसे मरीजों को समय पर हॉर्मोन टेस्ट, मेडिकल चेकअप और उचित इलाज कराना ज़रूरी है। योग और प्राणायाम दवाइयों के साथ सपोर्ट की तरह काम करते हैं। नियमित अभ्यास से दवा की डोज़ कम हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनती है।

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।
आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 ऑक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

भारत में कर लेखा परीक्षा: केवल अनुपालन से कहीं अधिक

हर साल हजारों भारतीय व्यवसायों और पेशेवरों को आयकर अधिनियम की धारा 44AB के तहत कर लेखा परीक्षण (Tax Audit) कराना अनिवार्य होता है। इसका उद्देश्य केवल अनुपालन सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि वित्तीय रिपोर्टिंग में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना है। यदि किसी व्यवसाय का वार्षिक कारोबार ₹1 करोड़ से अधिक है (या डिजिटल लेन-देन 95% से अधिक होने पर ₹10 करोड़ तक) या किसी पेशेवर की आय ₹50 लाख से अधिक है, तो कर लेखा परीक्षा अनिवार्य है। अनुमानित कर योजना (Presumptive Taxation) अपनाने वाले भी यदि निर्धारित सीमा से कम आय दिखाते हैं, तो इसके दायरे में आते हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की जाने वाली यह परीक्षा यह प्रमाणित करती है कि लेखा पुस्तकों का सही तरीके से रख-रखाव हुआ है और कर संबंधी प्रावधानों का पालन किया गया है। इसकी अंतिम तिथि सामान्यतः 30 सितम्बर होती है। समय पर रिपोर्ट दाखिल न करने पर अधिकतम ₹1.5 लाख तक का जुर्माना लग सकता है। डिजिटल टैक्सेशन के दौर में कर लेखा परीक्षा बोझ नहीं, बल्कि अवसर है। यह अनुशासन लाती है, विवादों का जोखिम घटाती है और बैंकों, निवेशकों व नियामक संस्थाओं के बीच भरोसा बढ़ाती है। विकास की राह पर अग्रसर व्यवसायों के लिए, विश्वसनीयता की शुरुआत अनुपालन से ही होती है।

एडवोकेट एंड टैक्स कंसलटेंट
वकील अहमद कुरैशी

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

टीचिंग लाइन में कैसे बनाएं करियर, टीचिंग प्रोफेशन क्यों है खास?

अगर आप बच्चों को पढ़ाने का शौक रखते हैं, ज्ञान साझा करने में खुशी महसूस करते हैं और समाज के भविष्य निर्माण में योगदान देना चाहते हैं तो टीचिंग प्रोफेशन आपके लिए सबसे बेहतरीन करियर विकल्प है। भारत में शिक्षा को हमेशा से एक पवित्र पेशा माना गया है। शिक्षक न सिर्फ छात्रों को किताबें पढ़ाते हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व, सोचने की क्षमता और जीवन मूल्यों को भी आकार देते हैं। यही वजह है कि आज भी टीचिंग लाइन युवाओं की पहली पसंद बनी हुई है। आइए जानते हैं इस करियर से जुड़े अवसर, कोर्स और भविष्य की संभावनाओं के बारे में।

टीचिंग प्रोफेशन क्यों चुनें?
सम्मान और प्रतिष्ठा: समाज में शिक्षक को गुरु का दर्जा दिया जाता है। यह एक सम्मानजनक पेशा है। स्थिर करियर: सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में नौकरी की स्थिरता रहती है। भविष्य निर्माण: शिक्षक आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देकर देश का भविष्य गढ़ते हैं। निरंतर सीखने का अवसर: इस प्रोफेशन में हमेशा नया सीखने और सिखाने का मौका मिलता है।

शिक्षक बनने के लिए योग्यता
शिक्षक बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस स्तर पर पढ़ाना चाहते हैं।
प्राइमरी टीचर (कक्षा 1 से 5 तक)
12वीं पास (कम से कम 50% अंक)
डी.एल.एड (Diploma in Elementary Education) या बी.एल.एड (Bachelor of Elementary Education)
साथ ही CTET या राज्य स्तरीय TET पास करना ज़रूरी है।
मिडिल और सेकेंडरी टीचर (कक्षा 6 से 10 तक)
स्नातक (Graduation) किसी भी विषय में
बी.एड (Bachelor of Education) डिग्री
CTET/TET परीक्षा पास करना आवश्यक है।
सीनियर सेकेंडरी और कॉलेज लेवल (कक्षा 11-12 और आगे)
संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन
बी.एड/एम.एड
कॉलेज और यूनिवर्सिटी लेवल के लिए NET/SET परीक्षा पास करनी होती है।
टीचिंग से जुड़े प्रमुख कोर्स
D.El.Ed (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) – प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए
B.El.Ed (बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन) – 4 साल का कोर्स
B.Ed (बैचलर ऑफ एजुकेशन) – स्नातक के बाद 2 साल का कोर्स
M.Ed (मास्टर ऑफ एजुकेशन) – उच्च स्तर की टीचिंग या रिसर्च के लिए

PhD (डॉक्टरेट इन एजुकेशन) – उच्च शिक्षा और शोध क्षेत्र के लिए

करियर अवसर
सरकारी स्कूलों में नौकरी – सबसे स्थिर और सम्मानजनक विकल्प। इसके लिए TET, CTET या राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाएं देनी होती हैं। प्राइवेट स्कूल/कॉलेज – यहां वेतन भले सरकारी जितना न हो, लेकिन अवसर ज्यादा होते हैं। कोचिंग और ट्यूशन – आज के समय में निजी कोचिंग और ऑनलाइन ट्यूटरिंग भी एक बड़ा करियर विकल्प है। ऑनलाइन एजुकेशन प्लेटफॉर्म – डिजिटल युग में Byju's, Unacademy, Vedantu जैसे प्लेटफॉर्म्स पर टीचिंग का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। एडुकेशन रिसर्च और ट्रेनिंग – अगर रिसर्च और नई टीचिंग मेथडोलॉजी में रुचि है तो आप एजुकेशन रिसर्चर या ट्रेनर भी बन सकते हैं।

स्किल्स जो एक अच्छे शिक्षक में होनी चाहिए
अच्छा कम्युनिकेशन स्किल – विषय को सरल भाषा में समझाना
पेशेंस (धैर्य) – बच्चों को बार-बार समझाने की क्षमता
क्रिएटिविटी – पढ़ाने के नए तरीके अपनाना
लीडरशिप क्वालिटी – छात्रों को मोटिवेट और गाइड करना
टेक्नोलॉजी का ज्ञान – स्मार्ट क्लास और डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल

तकरार-इकरार-इजहार की अनूठी प्रस्तुति

-मैं तेरी गीता पढ़ लूं, तू पढ़ ले कुरआन.....
-देर रात तक चला चुटीला कव्वाली मुकाबला

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। गुरूवार की रात्रि डोल मेला रंगमंच पर हुआ कव्वाली मुकाबले का दर्शकों ने

देर रात जमकर लुत्फ उठाया। देशभक्ति के मिसरो, चुटीलें तानों के साथ दोनो कव्वालों के मध्य हुए रोचक मुकाबले का श्रौताओं ने देर रात तक आनन्द उठाया। रब की इबादत के बाद भोपाल से आये कव्वाल शरीफ परवाज ने अपनी टीम के साथ ऐ देश के दुश्मन, तुझे सीमा में घुसने नही देगें, भारत का तिरंगा झुकने नही देगें.... जैसे कव्वाली पर दर्शकों की खूब दाद पाई। उनकी कव्वाली अपना जलवा सबको दिखा दे, सबके दिलों से नफरत मिटा दे... की प्रस्तुति भी दर्शकों को बांधे रखने में सफल हुई। उत्तर प्रदेश की मशहूर कव्वाला सनम वारसी- तुम्हे देखा है जब से दूसरा अच्छा नही लगता..... की प्रस्तुति ने महफिल में चार चांद लगा दिये। देररात दोनो कव्वालों के मध्य मुकाबला हुआ जिसमें चुटीली कव्वाली के माध्यम से पहले तकरार एवं फिर इकरार और इजहार का अनूठा प्रस्तुतिकरण किया गया। सनम वारसी ने - अपनी अदाओं का चला के जादू, हमे आशिक को पागल बनाना आता है मिसरें पर कव्वाल शरीफ परवाज के जवाब - हमकों भी महफिल सजाना आता है, इन नजरों से तीर चलाना आता है... पर श्रौता दीवाने हो गये। कव्वाली मुकाबला इतना रोचक था कि श्रौताओं ने कव्वाली के दौरान नजरानों का ढेर लगा दिया और फजर की नवाज तक कव्वालियों का लुत्फ उठाते रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में कव्वालों की टीम सहित बारां, अंता, मांगरोल, सीसवाली, अटरू, छबड़ा, किशनगंज से आये अतिथियों का उपसभापति नरेश गोयल मेलाध्यक्ष प्रतिनिधि पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, शिवशंकर यादव, परवेज खान, ने माल्यार्पण और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया।

आमजन को मिले योजनाओं का लाभ- देवासी

-प्रभारी मंत्री ने की जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

बारां (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास, पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्य मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को सेवा पर्व पखवाड़े

के अन्तर्गत आयोजित ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों की अब तक की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक मिनी सचिवालय सभागार जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। इस दौरान किशनगंज विधायक डॉ. ललित मीणा, अटरू- बारां विधायक राधेश्याम बैरवा सहित जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने प्रभारी मंत्री को सेवा शिविरों में हुई प्रगति से अवगत कराया। बैठक में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 से संबंधित अब तक की कार्य प्रगति पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में उन्होंने कहा कि आमजन को राज्य सरकार की फ्लैगशिप व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा के अनुसार योजनाओं व कार्यों के लिए बजट जारी कर दिया है। गिरदावरी के पश्चात किसानों को फसल खराबे का त्वरित लाभ मिले। मांगरोल क्षेत्र में फसल बीमा को लेकर तकनीकी समस्या के निराकरण के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। राज्य सरकार की मंशा किसानों को संबल प्रदान करना है। बैठक में अतिवृष्टि के कारण फसल खराबें, क्षतिग्रस्त स्कूल भवन, सड़क व पुलिया की स्थिति से राज्यमंत्री को अवगत कराया गया। साथ ही खाद की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि विभिन्न मरम्मत कार्यों के लिए राज्य सरकार को 210 करोड़ के प्रस्ताव भेजें गए है। इस दौरान विधायक राधेश्याम बैरवा ने निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज का कार्य शीघ्र पूरा करने तथा विधायक ललित मीणा ने क्षेत्र में विद्त समस्या के निराकरण को लेकर बात रखी। बैठक में समाज सेवी नरेश सिकरवार, प्रधान मोरपाल सुमन ने भी क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। इससे पूर्व ओटाराम देवासी ने बटावदा स्थित ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। जहां उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा सेवा शिविरों के माध्यम से घर-घर जाकर वर्षों पुरानी लंबित समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक प्रत्येक योजना को लाभ दिलाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक व्यक्ति के कार्य को पूरा करने के लिए तत्पर रहने के निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक डॉ. ललित मीणा एवं राधेश्याम बैरवा ने भी आमजन को संबोधित कर इस शिविरों से अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। बैठक में सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, एसपी अभिषेक अंदासु, एसई राजवीर सिंह, एडीएम शाहबाद जबर सिंह, डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, एडी समाज कल्याण शुभम नागर, एडी पीआरओ योगेन्द्र शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता परीक्षा संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला निष्पादन

समिति चूरू के निर्देशानुसार आज प्रात 10:00 बजे से सायं काल 4:00 बजे तक नव भारत साक्षरता उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत चूरू ब्लॉक में लर्नर्स की प्रथम बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता एसेसमेंट टेस्ट का आयोजन किया गया। ब्लॉक समन्वयक साक्षरता चूरू चिरंजीलाल सैनी ने बताया चूरू ब्लॉक में 127 परीक्षा केंद्रों पर 8144 नवसाक्षरों की परीक्षा ली गई। साक्षरता ब्लॉक कोऑर्डिनेटर चिरंजी लाल सैनी ने निरीक्षण के दौरान चूरू ब्लॉक में राउप्रावि खेमका, चूरु राउप्रावि नंबर 14 चुरु, राउप्रावि नंबर 7 चूरू , राउप्रावि नंबर 8, चूरू राउप्रावि ढाणी एलएस पुरा, चूरू राउप्रावि असलु स्टेशन, चूरू एवं राप्रावि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गए नव साक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक, गुणात्मक ज्ञान तथा डिजिटल साक्षरता के बारे में प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन करना था। परीक्षा शांतिपूर्ण व सूचना सुचारू रूप से संपन्न हुई ।

राजस्थान पेंशनर्स मंच की कार्यकारिणी का पुनर्गठन

-डॉ. अब्दुल मन्नान खान को पुन: कार्यकारी अध्यक्ष की कमान सौंपी

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी ने आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर केंद्र

सरकार की ढुलमुल नीति को देखते हुए राजस्थान पेंशनर्स मंच को ओर सक्रिय करने के लिए राजस्थान पेंशनर्स मंच की प्रदेश कार्यकारणी का पुनर्गठन किया है जिसमें डॉ. अब्दुल मन्नान खान को राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रति निष्ठा ओर समर्पित भाव से कार्य करने पर पुनः प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है इनके साथ सूरज प्रकाश टांक को भी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बना गया है प्रदेश कार्यकारणी में राजस्थान के सभी जिलों के सदस्यों को प्रतिनिधित्व दिया गया है, कार्यकारणी में मुख्य रूप से संरक्षण मंडल में विधा सागर (कोटा), इंद्रपाल खुल्लर (गंगानगर), नवनीत पालीवाल (उदयपुर), सभाध्यक्ष- ईश्वर सिंह, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष - डॉ. अब्दुल मन्नान खान ओर सुरज प्रकाश टांक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- नन्दलाल राठौर (झालावाड़), गुलाम रसूल मंसूरी, अभिमन्यु सिंह, आफाक़ नकवी (जयपुर), प्रदेश उपाध्यक्ष- एम एच खान (जयपुर), श्यामलाल गुप्ता (भरतपुर), रामसिंह पूनिया (चूरू), प्रदेश मुख्य महामंत्री मुकुट बिहारी शर्मा (जयपुर), महामंत्री डूंगर सिंह(बाडमेर), प्रदेश सचिव आरिफ़ हुसैन गौरी (झालावाड़), गोविन्द प्रसाद मिश्रा (जयपुर), महामंत्री महिला प्रकोष्ठ आशा कालरा, महिला मंत्री निर्मला, प्रचार मंत्री हरिश वर्मा, संगठन मंत्री चंन्द्र शेखर, कार्यकारणी सदस्य यज्ञ दत्त हाडा (कोटा), रविन्द्र चतुर्वेदी (बूंदी), शिवदत्त सोनी(नैनवाँ), डॉ. अब्दुल खालिद (कोटा) जैसे 80 सदस्यों को पद दे कर राजस्थान पेंशनर्स मंच के पदाधिकारी के रूप में संगठन ओर पेंशनर्स के हित में कार्य करने का दायित्व सौंपा है, बहुत जल्दी प्रदेश स्तर पर व्यापक मीटिंग का आयोजन किया जाएगा जिसमें पेंशनर्स की समस्याओं के लिए आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।

भाजपा शहर मंडल ने "सेवा पखवाड़ा" के तहत चलाया स्वच्छता अभियान

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर देशभर में जारी सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा बारां

शहर मंडल के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने शहर अध्यक्ष ओपी पारेता की अगुवाई एवं भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, क्षेत्रीय विधायक राधेश्याम बैरवा सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक ब्रह्मानंद शर्मा जयपुर संभाग सह प्रभारी संजीव भारद्वाज, जिला महामंत्री हरगोविंद जैन, भाजपा नेता राकेश जैन, प्रधान मोरपाल सुमन, सेवा पखवाड़ा सह संयोजक मुकेश केरवालिया आदि नेताओं की मौजूदगी में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई की। भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सह प्रवक्ता योगेश राजोरा ने बताया की पीएम मोदी के 75वें जन्म दिवस के अवसर पर देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत सेवा कार्यों के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं इसी के अंतर्गत रविवार को प्रात 7:00 बजे शहर के चार मूर्ति चौराहा स्थित रेलवे स्टेशन परिसर मे भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों ने साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अशोक बत्रा, गोविंद सिंह चौहान, सुरेंद्र गालव, निर्मल माथोडिया, श्रीकृष्ण मेहता, देहात अध्यक्ष अमरदीप केदाहेड़ी, पृथ्वीराज मीणा, पुनीत माहेश्वरी, विद्यारतन जयंत, योगेश गोढ़, निकलेश शर्मा, वरुण अजमेरा, चेतन बैरवा, रामेश्वर शर्मा, द्वारका प्रसाद प्रजापति, रमेश मीणा, मनोज प्रजापति, विजेंद्र नागर, भगवती बैरवा, अजय यादव, सियानंद मेहरा, गणेश लोधा सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को अल्पसंख्यक मोर्चा के द्वारा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन के नेतृत्व में नई सड़क स्थित 8 नम्बर पीएचसी

में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काछवाल सहित अनेक भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने रक्तदान शिविर में जाकर युवाओं का उत्साहवर्धन कर सेवा के इस पुनित कार्य के लिए उनकी सराहना की। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ होकर 2 अक्टुबर तक सेवा पखवाड़ा चल रहा है जिसमें विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य किये जा रहे है। जिसमें रक्तदान शिविर लगाकर जगह जगह युवा रक्तदान कर रहे है। उन्होने कहा कि रक्तदान करना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान से कई व्यक्तियों का जहां जीवन बच सकता है वही रक्तदान करने से मनुष्य का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। उन्होने कहा कि डबल इंजन की सरकार जिस रूप में हर वर्ग के लिए लोककल्याणकारी योजनाऐं बना रही है उससे समाज के सभी वर्गो को लाभ हो रहा है। इसी का परिणाम है कि अल्पसंख्यक समाज में भी भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होने सभी युवाओं का आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि आप सब के मन में मानवता की सेवा की भावना रक्तदान शिविर के माध्यम से दिखाई दे रही है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अख्तर खांन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि अल्पसंख्यक समाज के युवाओं में भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ रहा है क्योंकि डबल इंजन की सरकार लगातार इस समाज के लिए कार्य कर रही है। उन्होने सभी युवाओं से अपील की कि वे सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुचाये। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुऐ कहा कि हम सब कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों के अनुरूप कार्य कर रहे है। उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ इस सेवा पखवाड़े में रक्तदान करने वाले सभी रक्त वीरों का सम्मान किया। इस अवसर पर विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, रवि दाधीच, असगर अली जोईया, हाजी सरीफ सोलंकी, बाबू टेलर, इरशाद भाटी, दाऊद थीम शौकत गोरी, सलीम सब्जिफरोश,सलीम मणीयार, रमजान खांन बिजली विभाग, रमजान खां जोईया, इनायत खां जोईया,आसीफ खांन, इस्लाम खांन, मुस्लिम खांन, फरियाद खांन, मुलचन्द धूत, सौयब सोलंकी, शाहरूख, समीर चेजारा, अजीज खां सलेमखानी, अरबाज खांन, आसीफ खान जानी, आसीफ सब्जिफरोश, विनय पांडे, सरोज, संतोष, मनिषा, आलिया, मुस्कान पीएचसी स्टाफ सहित अनेक रक्तदाता कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा कार्यालय अधीक्षक रा.डी.बी. अस्पताल संबंध चिकित्सालय रक्तदान शिविर की टीम आशीष कुल्हरी, एसएमओ, जयपाल सिंह गोदारा एनओ, दलीप कुमार, परार्मशदाता, महमूद अली एलए, पंकज कुमार एलए, विनोद डाबी डब्लूबी आदी रक्तदान की टीम में सहयोग किया।

मेलार्थियों की संख्या में हुई अप्रत्याशित वृद्धि: जिला प्रमुख

-समारोह पूर्वक हुआ ऐतिहासिक डोल मेला का समापन

बारां (रॉयल पत्रिका)। इस बार डोल मेला बहुत ही यादगार साबित हुआ और नगर परिषद ने इस बार नवाचार कर अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया। काफी

मेहनत के बावजूद इतने बड़े आयोजन में कोई ना कोई कमी छूट ही जाती है जिसका भविष्य मे सुधार किया जाना चाहिए। यह उद्गार व्यक्त किये जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने। वे गत 20 दिनों से चल रहे डोल मेले के समापन की रस्म अदायगी के समारोह में बोल रही थी। इस अवसर पर उन्होने कहा कि मेले आपसी भाईचारे के प्रतीक होते है, इसका आमजन को सम्पूर्ण लाभ लेना चाहिए। उन्होने इस बार आयोजित किए गये मेले की तारीफ करते हुए मेलाध्यक्ष को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होने कहा कि हमारे कार्यकाल में तालाब की पाल पर जो कार्य कराया गया उसकी वजह से मेले का क्षैत्रफल बढ़ा और व्यापारियों को भी लाभ हुआ। जैन ने अफसोस जताते हुए कहा कि तालाब की पाल का कुछ काम बाकी रह गया था पर हमारी सत्ता जाने के बाद मौजूदा नुमाईन्दे इस कार्य को भी पूरा नहीं करवा पा रहे है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रशान्त भरद्वाज ने कहा कि वास्तव में इस बार मेला अन्य सालों की अपेक्षा काफी यादगार यादे छोड़ गया। मेले की तारीफ सुन इसबार मेलार्थीयों की संख्या में भी अप्रत्याशित वृद्वि देखने को मिली। और परिषद ने अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त किया। कार्यक्रम में शहीद राजमल मीणा की पत्नि वीरांगना कमलेश देवी मीणा भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। अन्त मे आभार व्यक्त करते हुए मेलाध्यक्ष ममता नागर ने कहा कि मेले की सफलता इस बात से ही आंकी जा सकती है कि मेले मे इस बार राजस्व बढ़ने के साथ-साथ मेलार्थियों की भी संख्या मे भी अधिक वृद्वि देखी गई। आयोजन में शामिल होना आसान है पर 20 दिवस तक इतना बड़ा आयोजन चलाने के लिए कितनी मशक्कत करनी होती है, वो किसी को दिखाई नही देती। उन्होने इस अवसर पर सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि सबसे अच्छी बात तो यह रही कि यह आयोजन दलगत राजनीति से दूर रहा और सभी ने मेले की सफलता के लिए कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान मेले की सफलता के लिए सभी पार्षद और कर्मचारियों समेत जिला प्रमुख ने मेलाध्यक्ष ममता नागर को श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील शर्मा और मीडिया प्रभारी लक्ष्मण वर्मा सागर ने किया। कार्यक्रम के दौरान मेले के प्रमुख व्यापारी, जल व्यवस्था करने वालों समेत अखाड़ों के उस्तादों और मीडियाकर्मीयों को उपसभापति नरेश गोयल, पुरूषोत्तम नागर, प्रदीप विजयवर्गीय, शिवशंकर यादव, परवेज खान, रोहित सक्सेना, मयंक माथोडिया, यशवंत अर्जुन, राजेन्द्र जैन, अक्षय भूमलिया, अहमद शरीफ, असमा रानी आदि पार्षदों ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मदरसा अंजुमन इस्लामियां और प्रिया हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में महिला एवं प्रसूति रोग चिकित्सा शिविर संपन्न

-59 महिलाओं ने उठाया नि:शुल्क शिविर का लाभ

बारां (रॉयल पत्रिका)। आमजन तक चिकित्सा लाभ पहुंचाने ओर बीमारी के प्रति महिलाओं को

सजग रखने के उद्देश्य से रविवार 21 सितंबर को मदरसा अंजुमन इस्लामियां ओर प्रिया हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क महिला एवं प्रसूति रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन मदरसा अंजुमन इस्लामियां में किया गया। शिविर में प्रिया हॉस्पिटल की डॉक्टर समरा मसूद ने महिलाओं को परामर्श दिया। मौके पर बल्ड प्रेशर, बल्ड शुगर सहित विभिन्न प्रकार की जांचे निःशुल्क की गई। शिविर का आयोजन प्रिया हॉस्पिटल के प्रबंधक मनोज अग्रवाल, दर्जी स्टूडियो के प्रोपराइटर इमरान फॉरवर्ड ओर एम आर शाहिद अंसारी के विशेष सहयोग से संभव हुआ। रविवार को आयोजित शिविर में 59 महिलाओं ने इसका लाभ उठाया। इस दौरान प्रिया हॉस्पिटल से डॉक्टर फातिमा जोहरा, असगर उर्फ अली भाई सहित स्टॉफ के कई सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजुमन सदर माजिद सलीम, नायब सदर जाकिर मंसूरी, इकबाल नेता, नासिर खान बंटी सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों पर एक्स्ट्रा कैमरे लगाने के विरोध में प्रदर्शन

-कांग्रेस की ओर से चूरू में विधानसभा अध्यक्ष का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी (अभाव अभियोग प्रकोष्ठ) की ओर से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष

गोविन्द सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अभाव अभियोग प्रकोष्ठ) की प्रदेश अध्यक्ष योगिता शर्मा, चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष इंद्राज खिचड के सानिध्य में तथा पीसीसी की ओर से बीकानेर पश्चिम प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन, चूरू जिला कांग्रेस कमेटी (अभाव अभियोग प्रकोष्ठ) के जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक एवं युवा कांग्रेस अध्यक्ष शोयल खान डीके की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से राजस्थान विधानसभा में एक्स्ट्रा कैमरे लगाने के विरोध में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का पुतला दहन कर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का पुतला फूंकते हुए जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि यह कदम न सिर्फ विधायकों की निजता का उल्लंघन है बल्कि लोकतंत्र की गरिमा के भी खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम का उद्देश्य पारदर्शिता नहीं बल्कि विधायकों पर अनावश्यक रूप से निगरानी रखना है। इस अवसर पर शाहिल खान, अल्ताफ रंगरेज, सेवाराम मेघवाल, इनायत अली खान, मनपाल नायक, जाकिर हुसैन हवा सिंह, जुबेर, मदनलाल, उम्मीद खान, सोनू, सरताज अली, समीर खान, रोहन कुमार, राजकुमार, चैन सिंह, अयान, अयूब अली, संतोष, विनायक, बाबूलाल, रौनक, गजेंद्र, मयंक, वरुण, किशन, विशाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला झालावाड़ की महिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष सारिका सिंह ने राष्ट्रीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अलका लाम्बा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की सहमति से जिला झालावाड़ की महिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारणी घोषित की जिला झालावाड़ की अध्यक्ष वर्षा शर्मा ने बताया की जिले की कार्यकारणी के कोषाध्यक्ष पद पर डॉक्टर अनामिका, मिडिया प्रभारी रेखा शर्मा, प्रवक्ता रेखा कुमारी मेहर, संगठन महासचिव सम्पत बाई, उपाध्यक्ष के पद पर शोभा रानी, चंद्रकला न्यूटन, नीता खत्री, रेहाना, जहेरा बोहरा, केलाशी बाई, राजी बाई, महासचिव संजीदा बानो, सुनीता भील, कुंजवती शर्मा, श्यामा शर्मा, नेहा शर्मा, कलावती पांचाल, गीता सुमन, कृष्णा राठौड़, कमलेश कंवर, वीणा मेहरा, पूजा साहू, सचिव पद पर अनुभा तिवारी, विनीता मेहर, सुमित्रा राठौड़, अंजना मीणा, मोना गुप्ता, रीना गुप्ता, रेखा शर्मा, साधना शर्मा, रेखा उपाध्याय, अनीता शर्मा, संतोष राठौड़, प्रियंका मीणा, मेमूना गुलजार, संजीदा खानम, सह सचिव के पद पर नीलम शर्मा, रीना शर्मा, प्रमिला तिवारी, मंजू तिवारी, वर्षा सेन, धापू लोधा, नेहा लोधा, टीना मेघवाल, बबली शर्मा, विशाखा बैरागी, निशा चौधरी, दीपिका सेन, भूरी बाई, अहमदो बी, अर्चना कंवर, भगवती मेहर, कमलेश सुमन, अनीता शर्मा, कविता मेघवाल को नियुक्ति किया गया महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष वर्षा शर्मा ने जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह एडवोकेट व शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

झालावाड़ पुलिस का सक्रिय अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

-28 बदमाशों की खोली हिस्ट्रीशीट

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई की है।

उन्होंने 28 सक्रिय अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने का आदेश दिया है। इन अपराधियों पर झालावाड़ जिले के विभिन्न थानों में मादक पदार्थ तस्करी, हत्या, लूट और नकबजनी के कुल 275 मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 21 सितंबर को बताया कि यह पहला मौका है जब एक साथ इतने अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। इन अपराधियों की गतिविधियां न केवल आम लोगों में भय पैदा करती हैं, बल्कि किशोर और युवा भी इनसे प्रभावित होकर अपराध की राह पर चल पड़ते हैं। झालावाड़ जिले के सभी थानों को इन अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। अगर ये अपराधी दोबारा किसी अपराध में शामिल पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उनका लक्ष्य झालावाड़ को अपराध और नशा मुक्त बनाना है। इस कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य, आमजन समाज में चैन और सुकून से जीवनयापन कर सके।

अब तक 100 से ज्यादा निकाह करवा चुका फाउंडेशन

-12 अक्टूबर को तीसरी बार होगा 25 जोड़ों का सामूहिक निकाह
- दूल्हा-दुल्हन से लिया जाएगा मात्र एक रुपए

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति पाली की और से पाली में तीसरी बार मात्र एक रुपए में आम मुस्लिम समाज सामूहिक

विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें 25 जोड़ो का एक साथ निकाह करवाया जाएगा। जिसके तहत पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित कर सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों का आगाज किया गया। अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर ने बताया कि इस सामूहिक सम्मेलन में दूल्हा दुल्हन के परिवार वालों से मात्र एक रुपए लिया जा कर निकाह करवाया जा रहा है। जिसमें अब तक 25 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। समिति के प्रवक्ता मोहम्मद खालिद कादरी ने बताया कि महंगाई के इस जमाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन से अल्पआयवर्ग परिवारों को अपनी बेटियों की शादी के लिए काफी राहत मिलती और आसान तरीके से निकाह का आयोजन हों रहा है और कई परिवार लाभांवित हो रहे है। समिति द्वारा वर्ष 2023 से अब तक 100 से ज्यादा शादियां मात्र एक रुपए में करवाई जा चुकी है। इसी कड़ी में आगामी 12 अक्टूबर को हैदर कॉलोनी स्थित साल वाले बाबा दरगाह परिसर में 25 जोड़ो का सामूहिक निकाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी जयपुर मुख्य अतिथि रहेंगे तथा पाली के गणमान्य नागरिक व ओलमाए किराम विशिष्ट अतिथि रहेंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों में कमेटी के अध्यक्ष मेहराज अली चूडिगर, संयोजक जाकिर गौरी, चांद मोहम्मद संजरी, शकील अहमद नागौरी, जहिर अली मकरानी, सत्तार पठान, इकबाल भाई मोयल, इंसाफ अली साता वाले, हसन चौहान, वाहिद खान,इंसाफ सोलंकी, अकरम खिलेरी, रईस सोलंकी, अफजल पठान, अशरफ खान, अरबाज खान अज्जू, परवेज अंसारी, आरिफ नवीन, रफीक सोलंकी, सलीम फ्रूट वाले, गुड् भाई, फकीर मोहम्मद चढ़वा, वाहिद खान, यासीन सबावत, अय्यूब सुलेमानी, रफीक सोलंकी,अनवर हुसैन सोजत, रफीक भाटी, इकबाल भाटी, फारूक रंगीला, हाजी मोहम्मद सोलंकी, असगर कुरैशी, सैयद अबूबकर, सदाकत अंसारी, फिरोज सामरिया, नादिर अंसारी, इमरान जोया, गौस मोहम्मद, इस्माइल गौरी, जावेद जिलानी, नौशाद KGN, सलीम कुरैशी, इस्लामुद्दीन मोयल, हुसैन अजमेरी, वसीम भाटी, फैजान पठान, वसीम अल्फ़ाज़, फिरोज खिलेरी, मोहम्मद साजिद, समीर खान मोयल, आदि कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं।

पिछले दस दिनों से बरसाती पानी से घिरा बिछावाडी क्षेत्र

-रास्ते बंद होने से ग्रामीण परेशान

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड मुख्यालय के बिछावाडी गांव में

पिछले 10 दिनों से पानी भराव की समस्या ने ग्रामीणों का जीना दुश्वार कर दिया गांव की गलियों से लेकर सरवाना जाने वाला मुख्य रास्ता पानी में डूबा हुआ है हालात इतने खराब है की जगह-जगह तीन फीट से ज्यादा पानी जमा हो गया है ग्रामीणों ने बताया की शुरुआत में उन्हें लगा था कि पानी दो-तीन दिन में सूख जाएगा लेकिन 10 दिन बीत जाने के बावजूद पानी जस का तस खड़ा है। इसी बीच मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है जिससे बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस जल भराव ने उनके रोजमर्रा के जीवन को ठप कर दिया। बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है बुजुर्ग और महिलाएं घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं बीमार मरीजों को इलाज के लिए उपखंड मुख्यालय तक ले जाना भी चुनौती बना हुआ है क्योंकि आने-जाने का रास्ता पूरी तरह बंद है लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत करवाया लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है उनका कहना है यदि समय रहते पानी निकासी और नालियों की सफाई का काम किया गया होता तो यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्दी प्रशासन पानी की निकासी और रास्ते खोलने की व्यवस्था नहीं करता तो वह सामूहिक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी पिछले 10 दिनों से लगातार पानी से गिरे घरों में गांव में कहीं आने-जाने का रास्ता नहीं है लोगों को मच्छरों के प्रकोप से बीमारी का खतरा मंडराने लगा है ना ही कोई संसाधन है जिसको लेकर एक गांव से दूसरे गांव जा सकते हैं बार-बार प्रशासन को अवगत करवाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है ग्रामीणों ने प्रशासन को एक बार फिर चेतावनी दी हैं यदि वह समय रहते पानी निकासी की समस्या का समाधान करते हैं अन्यथा मजबूरन ग्रामीणों को आंदोलन पर उतरना होगा।

राजस्थान कायमखानी महासभा का प्रथम भामाशाह सम्मान समारोह संपन्न हुआ

-समारोह में 95 भामाशाहों को सम्मानित किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कायमखानी छात्रावास चुरू में राजस्थान कायमखानी महासभा की तरफ़ से "भामाशाह सम्मान समारोह 2025" का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद हाजी आजम अली खान ने की एवं मुख्य अतिथि राजस्थान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया एवं वशिष्ठ तिथि फतेहपुर विधायक हाकम अली खान रहें। समारोह का आगाज कुराने पाक की तिलावत के साथ शायर इदरीश राज खत्री ने किया इस मौके पर मंचस्थ बिसाऊ चेयरमैन मुस्ताक खां, पुस्से खान सरदार शहर, पूर्व प्रधान उस्मान खान सीकर, अयूब खान रिटायर्ड A.O. बेसवा, हाजी गन्नी खान, रियाजत खान, गोविंद महनसरीया, रमज़ान खान दौलतखानी, मजीद खान राणासर सरपंच, संजय भाटी, नारायण बालान, आसिफ खान, इरशाद मंडेलिया एवं सफी खान टी. टी. बिसाऊ उपस्थित रहे। इस मौके पर कायमखानी छात्रावास चुरू में जो विकाश के निर्माण में सहयोग करने वाले तकरीबन 95 भामाशाहों का शोल उढ़ाकर साफा पहनाकर ओर प्रतीक चिह्न से मंच पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर छात्रावास में मंडेलिया द्वारा बनाया गया। एक होल 30 बाई 60 का उद्घाटन रफीक मंडेलिया एवं विधायक हाकम अली खान ने फिता काट कर शुभारंभ किया। चुरू जिला इकाई अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी ने छात्रावास का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया इस मौके पर मुख्य अतिथि एवं सभी वक्ताओं ने समाज में विकास के बारे में उद्बोधन किया। कायमखानी समाज के प्रबुद्ध जन सलीमुद्दीन खान रुकनखानी, इकबाल खान कबीरखानी, आमीन खान दौलतखानी, ज़ाकिर खान के के, अख्तर खान रुकनखानी, शहबाज खान टेंट, अकरम अल्फखानी, महमूद खान के के, सिकंदर खान, भंवरू खान ठेकेदार, अनवर खान रिटायर्ड थानेदार, रमजान खा जोईया तहसील अध्यक्ष ओर छात्रावास कमेटी अध्यक्ष जब्बार खान अल्फखानी महबूब खान, गफ्फार खान, पप्पू खान,आदि ने आने वाले मेहमानों का फूल मालाओं, साफा पहनाकर स्वागत किया। समारोह में शहर और ग्रामीण से काफी संख्या में लोगों ने शिरकत की समारोह की अध्यक्षता कर रहे शिक्षाविद आजम अली खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह का सफल संचालन इदरीस राज खत्री ने किया।

स्वास्तिक नगर के लोग बोले- सरकार ने अब तक नहीं की आर्थिक सहायता

-प्रभावित परिवारों ने पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को सुनाई पीड़ा
-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने डिप्टी सीएम दिया कुमारी व प्रभारी सचिव गायत्री राठौड़ से बात कर जल्द प्रभावित परिवारों को विशेष पैकेज दिए जाने की मांग की

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर दौरे पर आए पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बोराज तालाब की पाल टूटने से हुए जल प्रलय के पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी पीड़ा सुनी। इसके

बाद राठौड़ ने डिप्टी सीएम व अजमेर प्रभारी मंत्री दिया कुमारी तथा प्रभारी सचिव (आईएएस) गायत्री राठौड़ से बातचीत कर पीड़ितों को पूरे नुकसान का मुआवजा देने के लिए जल्द विशेष पैकेज जारी करने की मांग की है। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि अजमेर आने के बाद स्वास्तिक नगर के अतिवृष्टि पीड़ितों से मिला। इस दौरान समाजसेवी महिला लवीशा रामानी, जलप्रलय से पीड़िता महिला नीतू, परमजीत कौर व पूजा आदि पीड़ितों से बातचीत की। इसके अलावा भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हुए प्रकाश आलवानी के घर जाकर उनके परिजनों और मोहल्ले के प्रभावित लोगों से बात की और उनका दर्द सुना। सरकार की उदासीनता से आहत प्रभावित लोगों ने बताया कि जल प्रलय से लाखों का नुकसान हो गया। लेकिन सरकारी स्तर पर उनको किसी प्रकार की सहायता अब तक नहीं दी गई। आर्थिक सहायता के तौर पर पीड़ित परिवारों को फूटी कौड़ी तक नहीं मिली, जबकि जिला प्रशासन व सरकार के मंत्रियों ने दौरा करके जल्द राहत व सहायता देने का आश्वासन दिया, उनके आश्वाशन सिर्फ आश्वासन ही बने है। गत दिनों विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भामाशाह के सहयोग से सहायता के लिए नगद राशि व चेक दिए, उनके भी रुपए नहीं मिले। जो नगद राशि व चेक वितरण किए गए, उसमें भी भेदभाव किया गया, कम नुकसान वालों को ज्यादा मुआवजा और ज्यादा नुकसान वालों को कम राशि का भुगतान किया गया। राठौड़ ने कहा कि पीड़ित महिलाओं और लोगों की पीड़ा सुनने के बाद डिप्टी सीएम व अजमेर प्रभारी मंत्री दिया कुमारी व प्रभारी सचिव (आईएएस) गायत्री राठौड़ से फोन पर बात की और जल प्रलय से पीड़ितों को जल्द विशेष पैकेज जारी करने की मांग की, ताकि लोगों को आपदा से राहत मिल सके। साथ ही। डिप्टी सीएम दिया कुमारी व प्रभारी सचिव गायत्री राठौड़ से कहा कि जब स्वास्तिक नगर में तालाब टूटने से जल प्रलय हुआ, तब उत्तर विधानसभा कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की टीम ने घर घर जाकर आपदा प्रभावित परिवारों का दौरा किया और नुकसान का सर्वे किया था, ऐसे में पीड़ितों को कांग्रेस पार्टी के सर्वे के अनुसार मुआवजा दिया जाए। यदि कांग्रेस पार्टी के सर्वे में किसी प्रकार की कोई कमी लगे तो इस सर्वे को सरकारी सर्वे से मिलान कर मुआवजा तय किया जाए। राठौड़ ने सरकारी सर्वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो सरकारी सर्वे हुआ, उस सर्वे में खाना पूर्ति की गई है, इस सर्वे में जल प्रलय के पीड़ितों को जितना नुकसान हुआ है, उसका पूरी तरह से आंकलन नहीं किया गया। कई पीड़ित परिवारों का सर्वे की सूची में नाम तक नहीं है। ऐसे में सभी पीड़ितों को सही सर्वे के माध्यम से उनके हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिलाया जाए। राठौड़ ने कहा कि स्वास्तिक नगर के लोग अभी जल प्रलय की पीड़ा झेल रहे है। मेरे स्वयं के स्तर पर राशन सामग्री, शिक्षण सामग्री व बिस्तर वितरण का कार्य अभी तक जारी है।

जोधपुर से कारवां-ए-अमन द्वारा लखनऊ में दादा मियाँ के उर्स पर चादर पेश

-कौमी एकता और भाईचारे का दिया पैगाम

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। सूर्यनगरी जोधपुर से कारवां-ए-अमन दल ने लखनऊ स्थित हजरत ख्वाजा मोहम्मद नबी रजा शाह उर्फ

दादा मियाँ कादरी चिश्ती अबुल उलाई जहाँगीरी के 118वें उर्स मुबारक के मौके पर चादर पेश की। यह चादर ख्वाजा मोहम्मद सबाहत हसन शाह की सरपरस्ती (अध्यक्षता) में पीर मोहम्मद अरशद कादरी नूरानियां शेर की ओर से पेश की गई। इस अवसर पर पीर मोहम्मद अरशद कादरी नूरानियां शेर व हज़रत क़ारी पीर मोहम्मद शरीफ शाह कशिफ सहित कई मुरीदीन जैसे मोहम्मद सोहेब, मोहम्मद आकिब, रवि सेन, यासीन काज़ी, मोहम्मद आसिफ, कुलदीप कंडारा, भूपेन्द्र शास्त्री, मुराद खा, आफताब खान, मोहम्मद रमज़ान आदि शामिल हुए। सभी ने मिलकर आपसी सौहार्द, भाईचारे और देश में अमन व तरक्की की दुआएं कीं। प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि खलीफा ए आजम हजरत पीर मोहम्मद अरशद कादरी नूरानियां शेर ने बताया कि उर्स मुबारक बड़े शानो-शौकत के साथ मनाया जा रहा है। इसमें आयोजित आलमी सेमिनार (विश्व स्तरीय विद्वान सम्मेलन) में समाज में तालीमी बेदारी (शिक्षा को बढ़ावा) के लिए देश के जाने-माने विद्वान अपना खिताब (व्याख्यान) पेश करेंगे। पीर मोहम्मद अरशद कादरी व क़ारी पीर मोहम्मद शरीफ शाह ने आस्ताने पर हाजिर होकर लोगों को कौमी एकता, भाईचारे और मुहब्बत का संदेश दिया। साथ ही सभी के लिए विशेष दुआएं कीं—जैसे देश की तरक्की, अमन, बीमारों को शिफा, बेरोजगारों को रोजगार, बेऔलाद को औलाद, और परेशान हाल लोगों को राहत मिले।

ढाढर में चिकित्सा शिविर आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव ढाढर की पीएचसी में कर्मचारी सहयोग, विकास एवं सेवा समिति के सहयोग से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर का शुभारंभ जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश, बीसीएमएचओ डॉ. जगदीश सिंह भाटी, बीपीएम ओमप्रकाश प्रजापत ने किया। इस मौके पर दंत चिकित्सक डॉ. मनफूल सिंह कस्वां, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. शिवम, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. वरुण, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरन्नुम ने 160 रोगियों को परामर्श व दवा प्रदान की। निक्षय मित्र ईशराराम कस्वां ने पोषण किट वितरित किए। समिति अध्यक्ष यादराम कस्वां, सूबेदार हरिश्चन्द्र, सुखाराम स्वामी, संपत सिंह, शीशपाल खारड़िया, मास्टर अयूब खान राणासर व पीएचसी स्टाफ सदस्य मौजूद थे। डॉ. राहुल कारेल, डॉ. अमित प्रजापत, डॉ. लोकेश कारेल ने सहयोग किया।

दावते इस्लामी वेलफेयर द्वारा ब्लड डोनेट कैंप लगाया गया

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आज इस्लाम के आखरी पैगम्बर मुहम्मद सल्लल्लाहु

अलैहि वसल्लम के 1500 वे जन्मदिन के अवसर पर दावते इस्लामी के वेलफेयर डिपार्टमेंट गरीब नवाज रिलिफ फाउंडेशन कि तरफ से बांगड़ चिकित्सालय मे रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमे नोजवानो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और ब्लड डोनेट किया। इस मौके पर पाली विधायक भीमराज भाटी ने ब्लड केन्द्र पर पहुंच कर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया और इस कार्य की सरहाना की। मदनी मरकज के इमाम आसीम मदनी ने बताया कि जी एन आर एफ का नारा है कि खुन कि कमी से कोई ना मरे इसी मकसद के तहत 21 सितम्बर को पाली में ब्लड डोनेशन कैम लगाया गया है। जिसमें लगभग 170 यूनिट रक्तदान हुआ। बताया कि इससे पहले हमने चुरू, राजगढ़,सरदार शहर में भी कैंप लगाया था। इस मौके पर अस्पताल स्टाफ डॉ. तन्नु, जोगसिंह मरकज से GNRF गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के पाली जिला अध्यक्ष इरशाद अहमद, मौलाना असीम रजा, मौलाना आबिद अली मदनी, मौलाना मुहम्मद हनीफ अलिमी, कारी अजहर हाफिज शकील, असलम अत्तारी, गुलाम यासीन अत्तारी, महबूब अत्तारी, इस्लामुद्दीन अत्तारी, शारुख अली, आदि लोग उपस्थित रहे।

गीतांजली हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने साड़ी के माध्यम से दिया वेलनेस का सन्देश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयपुर में आयोजित साड़ी फेस्टिवल में गीतांजली हॉस्पिटल का "वेलनेस वाली साड़ी सेशन" विशेष आकर्षण रहा। कार्यक्रम का आयोजन शी सर्किल से श्रीमती तारिका भानूप्रताप, सीपीएस स्कूल और रॉकवुड्स के सहयोग से किया गया| इस अवसर पर गीतांजली हॉस्पिटल की वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. पूजा गांधी, डॉ. रेनू मिश्रा, डॉ. नलिनी शर्मा, डॉ. अनुपमा हाड़ा, डॉ. नीलम तोषनीवाल, डॉ. भामिनी जाखेटिया और डॉ. रेखा राठौड़ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। गीतांजली चिकित्सकों के समूह को "बेस्ट साड़ी ग्रुप" के सम्मान और पुरस्कार से नवाज़ा गया। इस सम्मान का विशेष महत्व इसलिए रहा क्योंकि चिकित्सक होने के साथ-साथ उन्होंने साड़ी फेस्टिवल को स्वास्थ्य और वेलनेस से जोड़कर समाज के लिए प्रेरणादायी संदेश प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सभी डॉक्टरों द्वारा वेलनेस संदेश दिया गया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल "स्वस्थ नारी, शक्ति परिवार" के बारे में जानकारी साझा की गई। सूचना प्रसारण विभाग से हरलीन गम्भीर और मानव संसाधन विभाग से राधिका सुवालका ने भी इस साड़ी उत्सव में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। गीतांजली हॉस्पिटल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी है बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सदैव बढ़-चढ़कर भाग लेता है।

वेदांता हिन्दुस्तान जिंक सिटी हाफ मैराथन, देश के 27 राज्यों एवं विदेश से 7 हजार से अधिक प्रतिभागी दौड़ेंगे

-मैराथन में लाखों रुपये से अधिक का पुरस्कार पूल एवं सभी प्रतिभागियों को जिंक आधारित मेडल मिलेगा

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक कंपनी, हिन्दस्तान जिंक द्वारा वेदांता हिन्दस्तान जिंक सिटी

हाफ मैराथन का दूसरा एडिशन रविवार को आयोजित होगा, मैराथन की शुरूआत उदयपुर फील्ड क्लब से होगी। इस बार देश के 27 राज्यों एवं विदेश से कुल 7 हजार से अधिक धावकों के प्रतिभागिता करने की उम्मीद है, जो पिछले साल के रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। वेदांता हिन्दस्तान जिंक सिटी हाफ मैराथन अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल, नंद घर द्वारा चलाए जा रहे रन फॉर जीरो हंगर अभियान का समर्थन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसका उद्देश्य भारत में कुपोषण को खत्म करना है। 3 लाख के नकद एवं अन्य पुरस्कार के साथ, यह मैराथन इस दौड में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को शीर्ष धावकों के साथ शांत फतेह सागर झील के चारों ओर एवं अरावली पर्वतमाला का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगी। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन में 5 किमी, 10 किमी, 21 किमी एवं रेस वीथ चैंपियंस की अलग-अलग श्रेणियां होंगी, फिनिशरर्स को शहर की सुंदरता का अनुभव करने करने के साथ साथ हिन्दस्तान जिंक द्वारा उत्पादित बेहतरीन जिंक से बने विशिष्ट मेडल प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इस मैराथन में प्रोफेशनल एथलीट, सीनियर सिटिजन, दिव्यांग और बच्चे शामिल होंगे, जो इसे सामुदायिक भावना का उत्सव बनाते हैं। प्रतिभागियों के अनुभव को बढ़ाने के लिए, एबीसीआर द्वारा विशेष व्यवस्था की जाएगी, हाइड्रेशन स्टेशन मार्ग के साथ स्थित होंगे, जो आवश्यक जलपान प्रदान करेंगे एवं वेन्यू पार्टनर फील्ड क्लब उदयपुर होगा। इसके अतिरिक्त, अनुभवी फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टरों द्वारा संचालित चिकित्सा स्टेशन और आराम करने के स्थान मेडिकल पार्टनर गीताजंली हॉस्पिटल द्वारा उपलब्ध होंगे। वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन तीन अलग-अलग श्रेणियां होंगी प्रतिभागी उदयपुर की विरासत से समृद्ध मार्ग महाराणा प्रताप स्मारक, सहेलियों की बाड़ी जैसे हरे-भरे बगीचे और प्रतिष्ठित नीमच माता मंदिर पहाड़ी जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के बीच से गुजरेगी। 2024 में पहले संस्करण की शानदार सफलता के बाद, जिसमें दुनिया भर से 5 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया था, इस साल मैराथन एक बड़े विजन के साथ आयोजित हो रहा है। हिन्दस्तान जिंक द्वारा आयोजित वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन, एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन (एआईएमएस) और डिस्टेंस रेस का आधिकारिक सदस्य है, जिसे एआईएमएस प्रमाणन प्राप्त है। विश्व स्तर पर प्रशंसित इस दौड़ कैलेंडर में सूचीबद्ध यह मैराथन एक असाधारण अनुभव होगी, भारत की सबसे खूबसूरत मैराथन के रूप में पहचान बनाने वाली, वेदांता जिंक सिटी हाफ मैराथन सिर्फ दौड़ ही नही, बल्कि उदयपुर की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को भी दर्शाती है।

सांचौर के नेहड़ क्षेत्र में दलदल में फंस रहे हैं मवेशी, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेहड़ क्षेत्र में इस साल हुई अतिवृष्टि और लूनी नदी के तेज प्रवाह के कारण लगातार पिछले एक महीने से बहते पानी ने नेहड़ क्षेत्र की जमीन को दलदली कर दील। खेत खलियान और खुली जमीन पर पानी लंबे समय तक ठहरने से चारों ओर दलदल बन गया। इस दलदल से खुले में विचरण करने वाले मवेशियों की जान पर खतरा मंडराने आने लगा है। कई बार सुनसान जगह पर फंसने से पशुओं की जान भी चली जाती है पिछले दिनों में हकड़ा बांध के पास की जमीन पर दो-तीन भैंसे दलदल में बुरी तरह फस गई। मौके से गुजर रहे ग्रामीणों ने घटना देखी तो तुरंत मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद भैंसों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। ग्रामीण तालिब खान ने बताया कि नेहड़ क्षेत्र की जमीन में पानी अधिक समय से ठहरने से यह दलदल हो जाती है चरते फिरते पशु जब इस क्षेत्र में पानी के अंदर जाते हैं तो अनजाने में दलदल में फंस जाते हैं कई बार दूर दराज के इलाकों में फंसने पर समय रहते पता नहीं चलने से पशुओं की मौत भी हो जाती हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या पूरे नेहड़ क्षेत्र में आम हो गई है। पशुपालकों को लगातार मवेशियों पर नजर रखनी पड़ रही है ताकि वह दलदल में फंस कर हताहत ना हो सके।

नेहड़ क्षेत्र की खेजड़ीयाली, सुराचंद, सुसिपाहियों की ढाणी जोरादर पंचायत क्षेत्र के गांव में इस प्रकार की स्थिति ज्यादा है वहीं लोगों ने प्रशासन से भी मांग की है कि इस स्थिति से निपटने के लिए उचित कदम उठाया जाए और प्रभावित क्षेत्रों को निरीक्षण कर पशु को बचाने का प्रयास किया जाए।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - **8058969180/9799559096**

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 24वां पार्टी राज्य सम्मेलन आयोजित

-एडवोकेट नईमुद्दीन अकील नव निर्वाचित राज्य परिषद में

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 24वाँ राज्य सम्मेलन 15-16 सितंबर, 2025 को उदयपुर में आयोजित किया गया। राज्य सम्मेलन उदयपुर गुजराती धर्मशाला जिसे पार्टी के पूर्व राज्य सचिव एवं विधायक रतिराम यादव नगर नाम दिया गया था। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रहे साथी अतुल कुमार अंजान व मेघराज तावड़ के नाम से मंच सजाया गया। पार्टी के अनेक दिवंगत नेताओं मेघराज तावड़, घनश्याम सिंह भाटी, प्रताप सिंह महियारिया के नाम से द्वार बनाए गए। पार्टी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ पार्टी के वरिष्ठ साथी डी. के. छंगाणी एवं साहब राम पूनिया द्वारा संयुक्त रूप से झंडारोहण किए जाने व कम्युनिस्ट ध्येय के प्रति समर्पित अपना जीवन बलिदान करने वाले शहीदों की स्मृति में पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद हुआ। इससे पहले एक भव्य रैली भी निकाली गई, जिसमें लाल झंडों को अपने हाथों में लिए जिले के विभिन्न इलाकों से सैंकड़ों लोग आए और अपने हक अधिकारों की मांग को लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों से प्रदर्शन करते हुए आम सभा स्थल पर पहुंचे, पार्टी जिला सचिव हिम्मत सिंह चंगवाल ने मंच संचालन किया 15 सितम्बर की शाम 4 बजे से उद्घाटन सत्र प्रारंभ हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेता साथी तारा सिंह सिद् ने उद्घा टन सत्र की अध्यक्षता की। स्वागत समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर हेमेंद्र चंडालिया के स्वागत उद्बोधन के बाद पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश शर्मा ने 24वें राज्य सम्मेलन का विधिवत् उद्घाटन किया। पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं राज्य प्रभारी एनी राजा ने भी उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। नव निर्वाचित राज्य परिषद की प्रथम मीटिंग कामरेड तारा सिंह

सिद् की अध्यक्षता में हुई, जिसमें केंद्रीय प्रवेक्षक एनी राजा व डॉ. गिरीश शर्मा उपस्थित रहे। नव निर्वाचित राज्य परिषद ने कामरेड नरेन्द्र आचार्य को सर्वसम्मति से राज्य सचिव तथा सूरजभान सिंह एडवोकेट को कोषाध्यक्ष फिर से चुना। नव निर्वाचित राज्य परिषद में जयपुर से एडवोकेट नईमुद्दीन अकील व पूनम सिंह को लिया गया।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश में जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच की चर्चा होती है, तो लोगों में उत्साह

भी होता है और आक्रोश भी। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुल्क भी है। हमारी सीमाओं पर आए दिन जवान शहीद होते हैं, निर्दोष लोग निशाना बनते हैं और उसके पीछे पाकिस्तान की साज़िशें साफ़ नज़र आती हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या हमें पाकिस्तान के साथ खेलकूद के रिश्ते रखने चाहिए? मेरा साफ़ मानना है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाता और हमारे देश के ख़िलाफ़ अपनी नीतियाँ नहीं बदलता, तब तक भारत को पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह का द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने भी यही रुख अपनाया है कि सरकार और बीसीसीआई को इस विषय में एकसमान नीति अपनानी चाहिए।

एक तरफ़ हम कहते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ है, वहीं दूसरी तरफ़ उसके साथ क्रिकेट मैच खेलना हमारे शहीद जवानों और उनके परिवारों की भावनाओं के साथ न्याय नहीं होगा। खेल का उद्देश्य भाईचारे और मेलजोल को बढ़ाना होता है, लेकिन जब पड़ोसी देश लगातार नफ़रत और हिंसा को बढ़ावा दे रहा हो, तब क्रिकेट खेलकर हम ग़लत संदेश देंगे। हमें पहले अपनी सुरक्षा, अपने सैनिकों के सम्मान और अपने देशवासियों की भावनाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मेरा मानना है कि आज ज़रूरत इस बात की है कि हम एक मज़बूत संदेश दें - भारत आतंकवाद को कभी स्वीकार नहीं करेगा। और जब तक पाकिस्तान इसमें बदलाव नहीं लाता, तब तक उसके साथ क्रिकेट के मैदान साझा करना सही नहीं है।

-डॉ. मोहम्मद शोएब

बिहार को शिक्षा और रोजगार की गारंटी चाहिए- प्रशांत किशोर

-प्रशांत किशोर ने कहा- मुख्यमंत्री अब शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं

पटना (रॉयल पत्रिका)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को नालंदा जिले के राजगीर में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर हमला बोला। पीटीजेएम कॉलेज मैदान में हजारों की संख्या में एकत्रित जनता के समक्ष किशोर ने कहा कि बिहार को अब सड़क-बिजली से आगे बढ़कर शिक्षा और रोजगार की गारंटी चाहिए। अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत विभिन्न जिलों में जनसंपर्क कर रहे प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा की राजगीर नीतीश कुमार का गृह जिला है और यहां की स्थिति दूसरे जिलों से निश्चित रूप से बेहतर है। सड़क और बिजली की स्थिति अच्छी है, लेकिन शिक्षा, रोजगार और भ्रष्टाचार जो बिहार की मूल समस्याएं हैं, वे नालंदा में भी उतनी ही गंभीर हैं जितनी अन्य जिलों में।

नीतीश सरकार पर तीखे हमले-

राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल पर सवाल उठाते हुए कहा की नीतीश कुमार को 20 साल का अवसर मिला है। जो उनसे बन पड़ा, वह उन्होंने किया। अब वे शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं। नालंदा की जनता को दिख रहा है कि आगे की तरक्की के लिए जन सुराज चाहिए, नई व्यवस्था चाहिए। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी शराबबंदी की असफलता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा की नीतीश कुमार का गृह जिला होने का मतलब यह नहीं है कि यहां शराब नहीं बिक रहा। हर गांव, हर घर में शराब मिल रहा है। भ्रष्टाचार भी नालंदा में उतना ही है जितना दूसरे जिलों में।

नालंदा को फिर से ज्ञान की भूमि बनाने का संकल्प-

ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय की भूमि राजगीर में बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा की यह बिहार के गौरव की भूमि है। बिहार का सबसे गौरवशाली इतिहास नालंदा से जुड़ा है। जन सुराज का सपना है कि बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि बनाया जाए और इस परिकल्पना में नालंदा की भूमिका सबसे बड़ी है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अब सड़क-बिजली-पानी से ऊपर उठकर बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट कीजिए। नई व्यवस्था बनाइए और किसी भी हालत में लालटेन को वापस जलने मत दीजिए।"

विपक्षी दलों पर भी निशाना-

प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी तीखा हमला बोला। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा की तेजस्वी यादव का कलम फेंकना उनके चरित्र को दिखाता है। हम बिहार के बच्चे कलम को सरस्वती मानते हैं, इसकी पूजा करते हैं। यह आदमी मां सरस्वती के स्वरूप कलम को हवा में फेंक रहा है। इस बार जनता इन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने आरजेडी को "अपहरण, रंगदारी और गुंडागर्दी वाली पार्टी" बताया और कहा कि "शेर बूढ़ा भी हो जाए तो घास नहीं खाता, मांस ही खाता है।"

व्यापक जनसमर्थन का दावा-

प्रशांत किशोर ने दावा किया कि वे राजगीर में पहली बार नहीं आए हैं और पहले भी नीतीश कुमार के साथ यहां आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोग समझ गए हैं कि बुनियादी ढांचे के विकास के बाद अब शिक्षा और रोजगार पर फोकस करना जरूरी है। सभा में उपस्थित जनता के बीच जन सुराज के नारे गूंजते रहे और लोगों ने प्रशांत किशोर के भाषण का जोरदार स्वागत किया।

21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है

बाबूलाल नागा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हर साल वर्ष 21 सितंबर को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस/विश्व शांति दिवस मनाया जाता है। इस दिन यूनाइटेड नेशनल जनरल असेंबली (यूएनआई) राष्ट्रों और लोगों के बीच अहिंसा, शांति और युद्धविराम के आदर्शों को बढ़ावा देने के प्रयास करती है। आपसी बंधुता तथा सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से इस दिवस को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति सुरक्षित महसूस करे और नस्ल की परवाह किए बिना फल-फूल सके। वर्ष 1981 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाने की घोषणा की थी। वर्ष 1982 में सितंबर माह के तीसरे मंगलवार के दिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा ही पहली बार अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया था। वर्ष 1982 से 2001 तक यह दिवस सितंबर महीने के तीसरे मंगलवार को ही मनाया जाता रहा, लेकिन वर्ष 2002 से संयुक्त राष्ट्र ने 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाने की घोषणा की। यह खास दिन दुनिया में शांति के विचार को मजबूत करने के लिए समर्पित है। हालांकि, शांति प्राप्त करने का अर्थ केवल हथियार डालना नहीं है बल्कि शांति का व्यापक अर्थ

है। हम सब संवैधानिक मूल्यों पर काम करने वाले सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता हैं। ऐसे में हमारे सामने अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस को मनाने और इसके असली उद्देश्य को समझना जरूरी है। विश्व शांति का अर्थ केवल हिंसा न होना नहीं है, बल्कि ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां सभी को यह अहसास हो कि वे आगे बढ़ सकते हैं और फल-फूल सकते हैं। विश्व शांति दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे कर्तव्यों में से एक है दुनिया में शांति और समझ को बढ़ावा देना। यह दिवस हमें अपने मतभेदों को भूलकर एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने और दुनिया को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है। हमें अपने दैनिक जीवन में शांति और समझ को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए। हमें एक दूसरे की मदद करने और सहयोग करने का प्रयास करना चाहिए। हमें नफरत और हिंसा को रोकने का प्रयास करना चाहिए और इसके बजाय प्रेम और समझ को बढ़ावा देना चाहिए। हमें एक ऐसी दुनिया का निर्माण करना है जहां सभी के साथ उनकी जाति, नस्ल, धर्म की परवाह किए बिना समान व्यवहार किया जाए। इस खास दिन पर यह आशा की जाती है कि विश्व में सभी वर्ग के लोगों के बीच प्रेम और सामंजस्य बना रहे। यह उन सभी लोगों के प्रयासों को पहचानने के लिए उत्सव का दिन है, जिन्होंने शांति की संस्कृति का निर्माण किया है और जारी रखा है। यह प्रयास किया जाना चाहिए कि एक ऐसे समाज का निर्माण हो जहां बंधुता और सद्भाव शत्रुता पर जीत हासिल करता है। क्योंकि यह दिन मानवता के लिए सभी मतभेदों से ऊपर उठने, शांति के लिए प्रतिबद्ध होने और शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान करने का दिन है। यह एक विशेष अवसर है जब हम वैश्विक शांति स्थापित करने की दिशा में नवीन पहल कर सकते हैं। आइए, हम सभी मिलकर इस दिवस की सार्थकता प्रदान करते हुए समाज में शांति एवं बंधुता को कायम करें। समाज में समानता और सामाजिक सौहार्द के लिए एकजुट रहने तथा लोगों को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लें। सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक भेदभावों को भुलाकर केवल शांति हो इस दिशा में भागीदारी निभाएं।

अमेरिका के लिए अफगानिस्तान के बगराम हवाई अड्डे पर जबरन कब्जा कर पाना असंभव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बगराम एयरबेस को वापस लेने की इच्छा जताई है, लेकिन इसे जबरन कब्जा करना कई कारणों से जटिल और असंभाव्य है। निम्नलिखित बिंदु इसकी स्थिति स्पष्ट करते हैं।

वर्तमान स्थिति और तालिबान का नियंत्रण-

बगराम एयरबेस, जो कभी अफगानिस्तान में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा था, 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान के नियंत्रण में है। तालिबान ने स्पष्ट रूप से अमेरिका की इस मांग को ठुकरा दिया है और किसी भी विदेशी सैन्य उपस्थिति का विरोध करने की बात कही है। तालिबान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने कहा कि वे अगले 20 साल तक लड़ने को तैयार हैं, यदि अमेरिका जबरन कब्जा करने की कोशिश करता है।

कानूनी और नैतिक चुनौतियां-

बगराम पर जबरन कब्जा करना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा, क्योंकि यह अफगानिस्तान की संप्रभुता के खिलाफ होगा। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन इस तरह के कदम की निंदा कर सकते हैं, जिससे अमेरिका की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचेगा। इसके अलावा, यह कदम क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ा सकता है।

सामरिक और रसद संबंधी कठिनाइयां-

बगराम को जबरन कब्जाने और वहां सैन्य उपस्थिति बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य संसाधनों, सैनिकों और रसद की आवश्यकता होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यावहारिक नहीं माना है, क्योंकि बेस को सुरक्षित रखना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। तालिबान के साथ युद्ध दोबारा शुरू करना अमेरिका के लिए महंगा और जोखिम भरा होगा।

ट्रंप की धमकी और रणनीति-

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि अगर तालिबान बगराम वापस नहीं करता, तो "बुरा अंजाम" भुगतना पड़ेगा। यह उनकी आक्रामक बयानबाजी का हिस्सा हो सकता है, जिसका उद्देश्य तालिबान पर दबाव बनाना या घरेलू समर्थकों को प्रभावित करना हो। हालांकि, यह धमकी वास्तविक सैन्य कार्रवाई की तुलना में राजनैतिक और कूटनीतिक दबाव का हिस्सा प्रतीत होती है।

चीन और भू-राजनीतिक कारण-

ट्रंप ने बगराम की रणनीतिक अहमियत पर जोर दिया, खासकर यह दावा करते हुए कि यह चीन के परमाणु हथियार कार्यक्रम के केंद्र से एक घंटे की दूरी पर है। यह दावा अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह दर्शाता है कि अमेरिका मध्य एशिया में अपनी सामरिक उपस्थिति को मजबूत करना चाहता है, खासकर चीन और रूस जैसे प्रतिद्वंद्वियों पर नजर रखने के लिए।

अफगानिस्तान और क्षेत्रीय प्रतिक्रिया-

तालिबान ने न केवल अमेरिका की मांग को खारिज किया, बल्कि यह भी कहा कि वे किसी भी विदेशी सैन्य उपस्थिति को स्वीकार नहीं करेंगे। इसके अलावा, पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान और अन्य क्षेत्रीय शक्तियां भी इस तरह के कदम का विरोध कर सकती हैं, क्योंकि यह क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकता है। हालांकि ट्रंप ने बगराम पर दोबारा नियंत्रण की बात कही है, लेकिन इसे जबरन कब्जा करना सैन्य, कूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत कठिन और जोखिम भरा होगा। तालिबान का कड़ा रुख, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की संभावित प्रतिक्रिया, और रसद संबंधी चुनौतियां इसे लगभग असंभव बनाती हैं। ट्रंप की यह बयानबाजी उनकी आक्रामक शैली और भू-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है, लेकिन वास्तव में इसे लागू करना व्यवहारिक नहीं लगता।

इजरायल की राह पर चीन, बना रहा डिजिटल 'ग्रेट वॉल'

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने इजरायल की तर्ज पर एक शक्तिशाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लेजर हथियार बनाने का ऐलान किया है। यह लेजर हथियार नौसेना के युद्धपोतों को दुश्मन के हजारों कम लागत के ड्रोन हमलों से बचाएगा। चीन के इस ऐलान से हिंद महासागर में भारत की टेंशन बढ़ने का अंदेशा है। चीन ने इसे डिजिटल युग का 'ग्रेट वॉल' बताया है। यह चीनी नौसैनिक पोतों के लिए काउंटर-स्वार्म सिस्टम के रूप में काम करेगा। यह डिजिटल ग्रेट वॉल उपग्रहों, एआई-संचालित सेंसरों और नए हथियारों को एक प्लेटफॉर्म से जोड़ेगा, जिसमें बीजिंग की हालिया सैन्य परेड में प्रदर्शित हाइपरसोनिक मिसाइलें, लेज़र और माइक्रोवेव बीम शामिल हैं। इसका लक्ष्य दुश्मन के ड्रोन बेड़े का पता लगाना और उसे लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करना होगा।

चीन ने बताया क्यों जरूरी है डिजिटल 'ग्रेट वॉल'-

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पीएलए नौसेना की डालियान नौसेना अकादमी के प्रोफेसर गुओ चुआनफू और उनकी टीम ने बताया है कि कैसे विरोधी विशाल, आर्टिफिशियल इटेलिजेंस से लैस ड्रोन के झुंड तैनात कर सकते हैं, जिनकी लागत प्रति यूनिट कुछ हजार डॉलर से भी कम होगी। उनका यह अध्ययन पीर-रिव्यूड जर्नल कमांड कंट्रोल एंड सिमुलेशन में प्रकाशित हुआ था। जिसका शीर्षक "नेवल काउंटर स्वार्म सिस्टम का निर्माण: भविष्य के युद्ध के लिए एक रूपरेखा" है। इसमें चेतावनी दी गई है कि कैसे स्वार्म ड्रोन, एक साथ मिलकर अपनी संख्या के आधार पर पारंपरिक युद्धपोत की सुरक्षा को ध्वस्त कर सकते हैं।

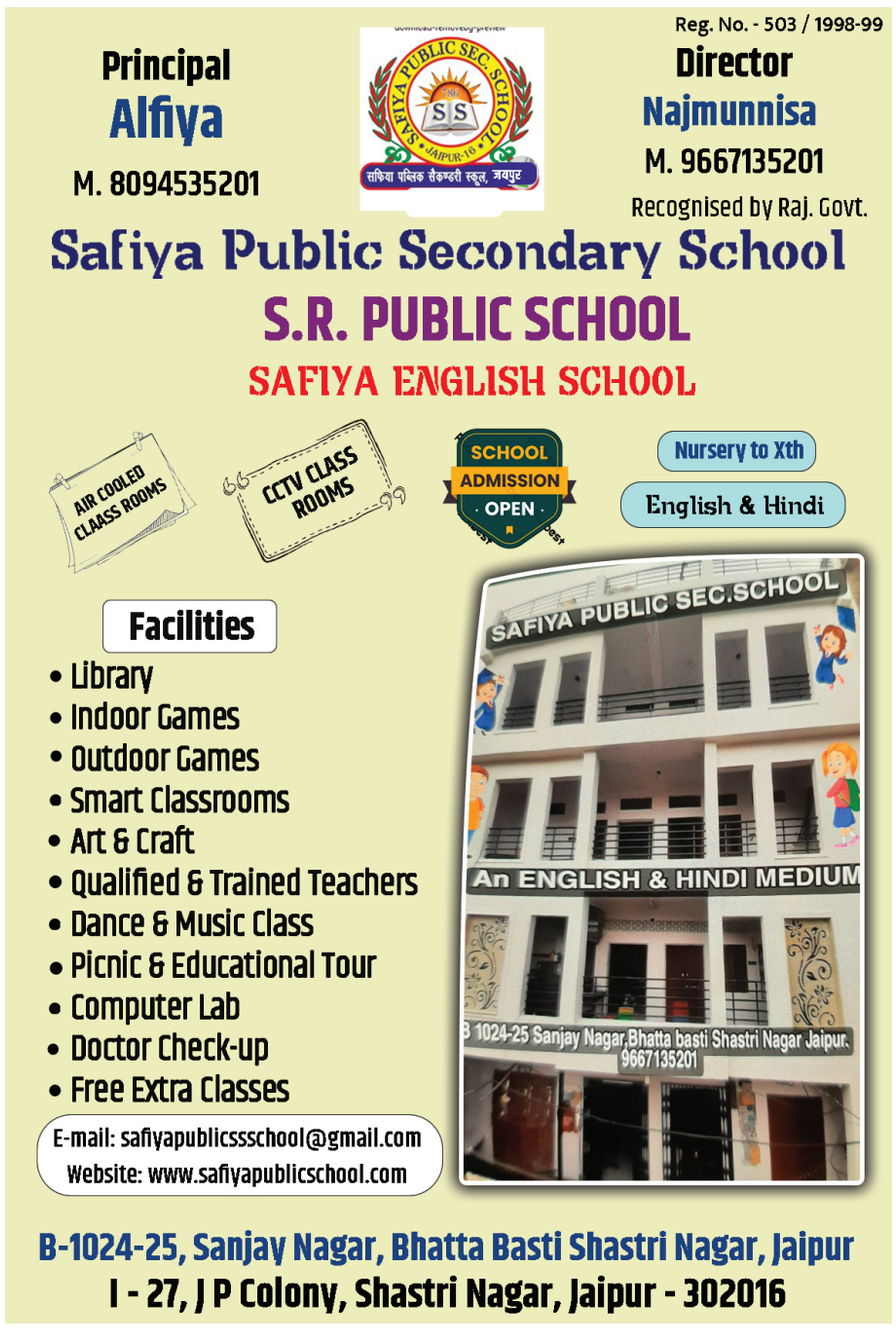

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com